श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 93 ग्वालियर, मंगलवार 03 नवंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

स्वामित्व योजना में रजिस्ट्री का पूरा खर्च उठाएगी सरकार, साल के अंत तक 50 लाख रजिस्ट्री का लक्ष्य; कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ाया

मध्यप्रदेश में बनेंगे 15 नए सैटेलाइट टाउन, 23,228 करोड़ की योजनाएं रहेंगी जारी : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में शहरी विकास, किसानों, सरकारी कर्मचारियों और सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। प्रदेश में 15 नए सैटेलाइट टाउन विकसित करने, मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाने और विभिन्न विभागों की 23 हजार 228 करोड़ रुपए की योजनाएं जारी रखने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप ने फैसलों की जानकारी दी।

15 नए सैटेलाइट टाउन विकसित होंगे : प्रदेश में शहरी विकास को गति देने के लिए 15 नए सैटेलाइट टाउन विकसित किए जाएंगे। इंदौर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव के दौरान शहरी विकास से जुड़े 2013 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी हुए हैं। इसके साथ ही इंदौर आर्थिक क्षेत्र की वर्ष 2047 तक की विकास रूपरेखा जारी की गई। इसमें भविष्य की संभावनाओं और विकास के अवसरों को ध्यान में रखा गया है। प्रदेश में सड़क नेटवर्क मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा।

रजिस्ट्री का खर्च सरकार उठाएगी : मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने के लिए रजिस्ट्री का पूरा शुल्क राज्य सरकार वहन कर रही है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को इस काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। अब तक प्रदेश में 15 लाख रजिस्ट्री हो चुकी हैं। 15 नवंबर तक यह संख्या 20 लाख पहुंचने का अनुमान है, जबकि वर्ष के



अंत तक 50 लाख रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा गया है। रजिस्ट्री से लोगों को संपत्ति के स्वामित्व का कानूनी प्रमाण मिलेगा और जरूरत पड़ने पर बैंक से ऋण लेने में भी सुविधा होगी।

कर्मचारियों का महंगाई भत्ता दो प्रतिशत बढ़ा : कैबिनेट ने शासकीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की वृद्धि करने का फैसला लिया है। हालांकि बढ़ी हुई दर किस तारीख से लागू होगी, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा विभिन्न विभागों की कुल 23 हजार 228 करोड़ रुपए की योजनाओं को निरंतर जारी रखने की मंजूरी दी गई। इनमें वन विभाग की आठ योजनाएं और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की निवेश संबंधी योजना शामिल हैं।

सिंचाई योजनाओं और सिंहस्थ पर भी फैसले : जल संसाधन विभाग के चार कार्यों को आगे बढ़ाने की मंजूरी दी गई है। इनमें पन्ना जिले की मझगवां सिंचाई योजना, विदिशा जिले की लटेरी तहसील से जुड़ी योजना और मऊगंज की हनुमंता सिंचाई योजना शामिल हैं। सिंहस्थ के दौरान शिप्रा नदी में पर्याप्त जल प्रवाह बनाए रखने से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

प्रदेश में शुरू होगी वीर भारत फैलोशिप, दो अध्येताओं को मिलेंगे 12-12 लाख रुपए

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई वीर भारत न्यास कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश में प्रतिवर्ष दो वीर भारत फैलोशिप देने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक अध्येता को एक वर्ष के लिए 12 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। बैतूल में आरण्यक युगयुगीन जनजातीय संग्रहालय स्थापित करने और उज्जैन के कोठी महल में वीर भारत संग्रहालय के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर भारत न्यास का उद्देश्य देश के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और विरासत से जनसामान्य को परिचित कराना है। संग्रहालय में योद्धाओं के साथ ऋषियों, शिक्षकों, गणितज्ञों और समाज सुधारकों के योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

10 वार्डों के गंदे पानी का होगा शोधन

बिछिया में 7.58 करोड़ की लागत से बना सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू

भोपाल जीएनएस

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोमवार को रीवा में बिछिया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया। 7.58 करोड़ रुपए की लागत से बने इस प्लांट की क्षमता प्रतिदिन 6.5 एमएलडी पानी के शोधन की है। यहां 10 वार्डों से आने वाले सीवेज का बैक्टीरिया के माध्यम से उपचार किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा शहर को स्वच्छ बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए गए हैं। बिछिया प्लांट में पहले मशीनों से गंदे पानी में मौजूद



ठोस पदार्थ अलग किए जाते हैं। इसके बाद चार चरणों में पानी का शोधन किया जाता है। उपचार के बाद साफ पानी नदी में छोड़ा जाता है।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने आमजन की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को भूमिहीन परिवारों को पात्रतानुसार आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, आयुक्त अक्षत जैन, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, पार्षद हेमलता सिंह सहित अन्य अधिकारी और आमजन मौजूद रहे।

शताब्दी वर्ष समारोह में बोले केंद्रीय गृहमंत्री

सनातन संस्कृति की धुरी है गायत्री परिवार : अमित शाह

नई दिल्ली जीएनएस। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक माता भगवती देवी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गायत्री परिवार के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार भारत की सनातन संस्कृति की धुरी है और इसकी सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार और पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान शाम को दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें विश्व कल्याण और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना के साथ गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां दी गईं।

गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर के प्रमुख प्रबंध ट्रस्टी वीके गुप्ता और भक्ति दर्शन बरोलिया ने दिल्ली से जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में डॉ. चिन्मय पंड्या और शैल दीदी के साथ भारत सरकार के अनेक अधिकारी एवं मंत्री भी शामिल हुए। माता भगवती देवी के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस समारोह में गायत्री परिवार के कार्यों और सनातन संस्कृति के संरक्षण में उसकी भूमिका को रेखांकित किया गया।

यह जानकारी गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर के डॉ. प्रदीप गुप्ता ने दी।

आरोपी पर शहर के छह थानों में डकैती की तैयारी, चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के 16 मामले दर्ज

कम्पू पुलिस ने शातिर वाहन चोर को पकड़ा, चोरी की बाइक बरामद

ग्वालियर जीएनएस

कम्पू थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की हीरो स्प्लेण्डर मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी सफीक उर्फ गोलू खान (27) निवासी इमामबाड़े के पास अबाड़पुरा, कम्पू है। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में डकैती की तैयारी, चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के कुल 16 आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, ग्राम खैरोना थाना सिरसौद जिला शिवपुरी निवासी नंदकिशोर बंजारा ने कम्पू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी का 1000 बिस्तर अस्पताल में उपचार चल रहा है। 31 अक्टूबर की रात उसने अपनी काले रंग की हीरो स्प्लेण्डर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी33-जेडसी-0201 अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की थी और पत्नी के पास चला गया था। एक नवंबर की सुबह जब वह पार्किंग में पहुंचा तो मोटरसाइकिल गायब मिली। अज्ञात चोर उसे चोरी कर ले गया था। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 276/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

प्रभारी पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर के निर्देश पर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सीएसपी इंदरगंज रोबिन जैन के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी कम्पू निरीक्षक अतुल सिंह सोलंकी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम को चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद करने और अज्ञात चोर का पता लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया।

दो नवंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सफीक उर्फ गोलू खान कमलाराजा अस्पताल के पास चोरी की मोटरसाइकिल लेकर खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। पूछताछ में उसने 1000 बिस्तर अस्पताल की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर बाइक जब्त कर ली। अब उससे क्षेत्र में हुई अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ बहोड़ापुर थाने में छह, इंदरगंज में एक, गोला का मंदिर में एक, जनकगंज में एक, झांसी रोड में दो और विश्वविद्यालय थाने में पांच प्रकरण दर्ज हैं। इस तरह उसके खिलाफ पहले से कुल 16 मामले पंजीबद्ध हैं। इनमें डकैती की तैयारी, चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसने शहर के अन्य इलाकों में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

कार्रवाई में इनकी रही भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी कम्पू निरीक्षक अतुल सिंह सोलंकी, उपनिरीक्षक रुद्र पाठक, प्रधान आरक्षक राजेश तोमर और संदीप शर्मा तथा आरक्षक जयंत पटले और प्रदीप कोठारी की सराहनीय भूमिका रही।

सफलता की कहानी : तरुण के खेत में अब सिर्फ फसल नहीं, बिजली भी उगेगी

ग्वालियर, जीएनएस।
सोचिए, जिस सूरज की तपिश से हम दिन में बचते हैं, वही अगले 25 साल तक आपकी तय कमाई का जरिया बन जाए तो फिर कहने ही क्या। ग्वालियर जिले की चीनौर तहसील के गाँव मऊछ में यह सपना हकीकत बन चुका है। युवा उद्यमी श्री तरुण राजपूत ने प्रधानमंत्री कुसुम-ए योजना से जुड़कर 2 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है। वे इस संयंत्र से उत्पादित ऊर्जा अगले 25 वर्षों तक 3.07 रुपये प्रति यूनिट की दर से बनवार में स्थित मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 33/11 केव्ही के विद्युत सब स्टेशन को बेचेंगे। कंपनी ने तरुण के साथ इस आशय का अनुबंध किया है।

हर उद्यमी के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि मेरी उपज बिकेगी कहाँ और किस दाम पर? सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित कुसुम-ए योजना इसी सवाल का जवाब देती है। योजना के तहत हुए विद्युत क्रय अनुबंध के अनुसार श्री



राजपूत के संयंत्र की बिजली अगले 25 वर्षों तक 3.07 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाएगी। यानी खरीदार तय, दाम तय और अवधि भी तय। मऊछ में बनी यह बिजली चीनौर तहसील के बनवार स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र तक पहुँचेगी। जाहिर है स्थानीय स्तर पर बनी स्वच्छ और हरित ऊर्जा से क्षेत्र की बिजली जरूरतें पूरी होंगी। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से ÷प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान÷ (कुसुम) शुरू किया है। इसी अभियान के माध्यम से तरुण राजपूत अपने खेतों में बिजली पैदा करेंगे। तरुण राजपूत भावुक होकर कहते हैं कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि अपने ही गाँव की धूप मेरी तकदीर बदल देगी। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा युवाओं को दिए जा रहे प्रोत्साहन की बदौलत ही संभव हुआ। सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर मेरे जैसे युवाओं के लिये रोजगार के नए दरवाजे खोले हैं। इसके लिए मैं हृदय से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभारी हूँ।

विदेश अध्यन छात्रवृत्ति योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर, जीएनएस।
राज्य शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से %विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है।

इस योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के अंतर्गत चयनित मेधावी विद्यार्थियों को शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातकोत्तर, शोध उपाधि तथा पोस्ट-पीएचडी पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के आधिकारिक पोर्टल mpom.mp.gov.in पर जाकर अपना प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन करने के बाद ऑनलाइन आवेदन लॉक कर सकते हैं। प्रोफाइल पंजीयन के लिए समग्र आईडी के साथ डिजिटल जाति, आय और मूल निवासी प्रमाण पत्र का लिंक होना आवश्यक है। ऑनलाइन फॉर्म लॉक करने के 15 दिनों के भीतर आवेदन का प्रिंटआउट और सभी स्वप्रमाणित दस्तावेजों (जैसे अंकसूची, ऑफर लेटर, त्तर्र रैंकिंग प्रमाण) की प्रतियां आयुक्त कार्यालय, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण (विंध्याचल भवन, द्वितीय तल, %क%/%ख% विंग, भोपाल - 462004) में डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से जमा करना अनिवार्य है। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पूरे वर्ष चालू रहेगी। प्रत्येक 1 माह की अवधि के विभिन्न चरणों में प्राप्त आवेदनों को एकत्र कर मेरिट के आधार पर चयन प्रक्रिया और साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

पिछोर की ग्राम पंचायत खोड़ में 03 नवम्बर को लगेगा जनसुनवाई कैंप

शिवपुरी, जीएनएस।
पिछोर तहसील की ग्राम पंचायत खोड़ में इस मंगलवार, 3 नवम्बर को जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिसमें आमजन अपनी समस्या का निराकरण करा सकेंगे। खोड उपतहसील कार्यालय में कैंप में समस्या निराकरण से जिला कार्यालय तक ग्रामीणों को परेशान नहीं होना पड़ेगा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को जनसुनवाई में उपस्थित रहकर आमजनों से प्राप्त आवेदन पत्रों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिला कार्यालय में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार 3 नवम्बर को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों का मौके पर ही त्वरित समाधान करना है। कलेक्टर श्री वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर जनसुनवाई की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपादित करें। जिला प्रशासन का प्रयास है कि दूर-दराज से आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान हो सके। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस प्रकार के वृहद जनसुनवाई कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

सुरक्षित बचपन अभियान अंतर्गत संदीपनी विद्यालय शिवपुरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शिवपुरी, जीएनएस।
राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में एवं श्री कौशलेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की अध्यक्षता में सुरक्षित बचपन अभियान अंतर्गत सोमवार को संदीपनी विद्यालय शिवपुरी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को श्री धर्मवीर सिंह राठौर, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम



श्रेणी शिवपुरी के द्वारा पॉक्सो अधिनियम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही छात्रों को गुड टच-बैड टच, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, निशुल्क विधिक सहायता, नालसा हेल्प लाईन नंबर 15100 आदि की विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर कार्यक्रम में साईबर सेल शिवपुरी से श्री जलज रावत के द्वारा साईबर फ्राड से सुरक्षा एवं सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी एवं साईबर से संबंधित विस्तृत जानकारी के बारे में प्रजेटेंशन के माध्यम से बताया गया। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी श्री राघवेन्द्र शर्मा द्वारा बाल विवाह रोकने हेतु हेल्पलाईन नंबर 1098 के बारे में बताया गया साथ ही उनके द्वारा बताया गया।

चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से लोगों के घर पर पशुओं का इलाज

ग्वालियर, जीएनएस।
बीमार पालतू पशुओं का इलाज किसानों एवं पशुपालकों से घर पर घर पर ही प्रदेश सरकार द्वारा चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से कराया जा रहा है। मौजूदा साल में चलित पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग में 50 हजार 247 पशुओं का इलाज कराया जा चुका है। दोनों संभागों में वर्तमान में कुल 56 चलित पशु चिकित्सा इकाई सरकार द्वारा संचालित है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर संभाग के अंतर्गत ग्वालियर जिले में मौजूदा साल के दौरान 6 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 6 हजार 404 पशुओं का इलाज कराया गया है। इसी तरह दतिया जिले में 4 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 3 हजार 809, शिवपुरी जिले में 9 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 8 हजार 708, गुना जिले में 8 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 6 हजार 66 व अशोकनगर जिले में 5 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 5 हजार 276 पशुओं का इलाज किसानों के घर पर किया गया है। इसी प्रकार चंबल संभाग के अंतर्गत मौजूदा साल में भिण्ड जिले में 8 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 6 हजार 905, मुरैना जिले में 9 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 8 हजार 433 एवं श्योपुर जिले में 7 चलित पशु चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से 4 हजार 646 पशुओं का इलाज कराया गया है।

रामकृष्ण मिशन स्कूल के 64वें वार्षिकोत्सव में दिखा संस्कृति, भक्ति और प्रतिभा का अद्भुत संगम

ग्वालियर, जीएनएस।
रामकृष्ण मिशन स्कूल, सीबीएसई एवं एमपीबीएसई एवं रोशनी संस्थान, रामकृष्ण आश्रम, थाटीपुर, ग्वालियर का संयुक्त 64वाँ वार्षिकोत्सव शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया।

इस वर्ष वार्षिकोत्सव की थीम 'ज्ञान से चरित्र, चरित्र से राष्ट्रनिर्माण' रखी गई। इस थीम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण कर समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव एवं प्राचार्य स्वामी कृष्णामृतानन्द जी महाराज, मुख्य अतिथि श्री उदयभान रजक जी (विचारक,कवि एवं समाज सेवी) मुख्य अतिथि उदयभान रजक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रामकृष्ण मशन विद्यालय की जो थीम है %ज्ञान से चरित्र और चरित्र से राष्ट्र निर्माण% यही ध्येय वाक्य भारत माता को परम वैभव के शिखर पर पहुंचाएगा, यह ध्येय वाक्य स्वामी विवेकानंद जी ने हमें दिया था उदय भान ने कहा की जो इंसान जीवन में वर्तमान को कष्ट सहकर और नींदों को कम करके,परिश्रम करके, अपने सुख को बलिदान कर देता है कुर्बान कर देता है उसका भविष्य महानतम निर्माण होता है वह भविष्य में सुखमय जीवन जीता है और जीवन को सार्थक करके मनुष्यता को सिद्ध हो जाता है उदाहरण स्वरूप उदयीमान मुख्य अतिथि उदयभान रजक ने एक मूर्तिकार और दो पत्थरों की कहानी सुनाई, साथ में उदयभान रजक ने स्वरचित स्वामी विवेकानंद जी के ऊपर शानदार गीत सुनाया जिस पर खूब उपस्थित सैकड़ो विद्यार्थियों एवं अभिभावकों और शिक्षकों ने खूब तालियां बजाई और खड़े होकर अभिवादन किया, बाद में रामकृष्ण मिशन के सचिव पूज्य स्वामी कृष्णामृतानंद जी महाराज ने मुख्य अतिथि की भूरि भूरि प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि श्री अजय शर्मा जी (सदस्य, रामकृष्ण मिशन आश्रम समिति) के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्य महाराज जी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया एवं मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का सॉल्व श्रीफल और स्मृति चिन्ह बैठकर स्वागत किया सम्मान किया तथा वार्षिकोत्सव की थीम के माध्यम से ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण के महत्व को रेखांकित किया।

समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, भक्ति संगीत, शास्त्रीय एवं फ्यूजन वाद्य संगीत तथा हिंदी एवं अंग्रेजी नाटकों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

बिले किडजी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने 'चंदा चमके चम-चम' एवं माता पार्वती और भगवान शिव पर आधारित गीत पर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सीबीएसई एवं एमपीबीएसई दोनों पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने 'गुरु ब्रह्मा मंत्र', 'रामकृष्ण शरणम्', 'गुरु मेरी पूजा', 'वंदे मातरम्', देशभक्ति मेडले, 'इट हैपन्स ओनली इन इंडिया', 'आमार शिशुया एकल्या', 'वराह रूपम', 'हर हर शिव शंकर', 'अरे द्वारपालों' (कृष्ण-सुदामा मित्रता), हनुमान चालीसा एवं पैट्रियॉटिक मेडले जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना, देशप्रेम एवं गुरु-शिष्य परंपरा का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अन्य अतिथियों में स्वामी योगगम्यानंद जी महाराज, स्वामी धर्मपालानंद जी महाराज , श्री विजय कुमार शर्मा, श्री अवधेश कुमार दीक्षित, श्री संतोष मुरूमकर, श्रीमती राखी अस्थाना , श्रीमती अर्पिता मुखर्जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भारतीय इतिहास पर आधारित हिंदी एवं अंग्रेजी नाटकों में विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय क्षमता और मंचीय कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार वार्षिकोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सामूहिक सहयोग, अनुशासन एवं रचनात्मकता को विकसित करने के साथ-साथ उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मूल्यों से जोड़ते हैं।

कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही कांग्रेस - जयप्रकाश

एसआईआर को लेकर जनता के बीच भ्रम फैला रही कांग्रेस युवा विकसित भारत के लिए संकल्पितः भारत सिंह कुशवाह

ग्वालियर, जीएनएस।
भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर महानगर द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत ग्वालियर पूर्व विधानसभा की प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन बाल भवन में संपन्न हुआ। गोष्ठी के मुख्य वक्ता ग्वालियर सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजोरिया ने की। गोष्ठी में नगर के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

गोष्ठी के मुख्य वक्ता सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने अपने उद्बोधन में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था का आवश्यक हिस्सा है।

उन्होंने कहा देश में पुनरीक्षण प्रक्रिया सात बार हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के कुछ दलों ने अपने राजनीतिक हितों के लिए बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल कराने तथा अपना वोट बैंक बढ़ाने का प्रयास किया है।

श्री कुशवाह ने कहा कि उनके



अनुसार इस बार मतदाता सूची से ऐसे नाम हटाए गए हैं, जिनके संबंध में नागरिकता के प्रमाण उपलब्ध नहीं थे, जिनकी मृत्यु हो चुकी है अथवा जो अपना स्थान बदल चुके हैं और जिनके नाम एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूचियों में दर्ज थे। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजोरिया ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस दीपावली जैसे महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहार के अवसर पर देश में अराजकता फैलाने का घृणित प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाला देश है। यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाली किसी भी अराजक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध के नाम पर भ्रम, अविश्वास और अराजकता का वातावरण बनाना उचित नहीं है। कार्यक्रम का संचालन गोष्ठी के संयोजक एवं जिला महामंत्री श्री जवाहर प्रजापति ने किया एवं आभार जिला मंत्री श्री चंदन पटेल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में मधुसूदन भदौरिया, मुन्नालाल गोयल, राजू पलैया, सुमन शर्मा, रेशु राजावत, चंदन पटेल, रामेश्वर भदौरिया, ओमप्रकाश धनोल, कनवर मंगलानी, विकास साहू, सतेंद्र शर्मा, डॉ. नितेश शर्मा, राघवेंद्र शर्मा, डॉ. निशिकांत मोघे, राघवेंद्र कुशवाह, प्रिया तोमर, सुरेन्द्र सिंह परमार, डॉ. करुणा सक्सेना, मोर्चा जिलाध्यक्ष परवेज खान, महामंत्री अली अहमद,? बिरजू शिवहरे मंडल अध्यक्षगण मुकेश दुबे, प्रवीण भारद्वाज, आशु श्रीवास, बंटी बघेल, जबर सिंह गुर्जर, करूणा श्रीवास्तव, किरणलता भदौरिया, शर्मिला वर्मा सहित नगर के प्रबुद्ध नागरिक एवं मंडल अध्यक्षगण उपस्थित रहे।

नगर निगम का विशेष सफाई अभियान, 6 मुख्य मार्गों से हटाई धूल

ग्वालियर, जीएनएस।
दिवाली के पावन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में विशेष साफ-सफाई और स्वच्छता अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशानुसार शहर की सड़कों पर डस्ट फ्री रखने के लिए सड़कों पर जमी धूल और गंदगी को हटाने की कार्रवाई की गई।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर की सुंदरता और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार के लिए मुख्य मार्गों और सड़कों पर धूल हटाने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस दौरान सड़कों पर फैली धूल को पूरी तरह से साफ किया गया, जिससे शहरवासियों को स्वच्छ और धूलमुक्त वातावरण मिल सके। नगर निगम द्वारा शहर में 132 मुख्य मार्गों को चिन्हित किया गया है, जिसमें सफाई अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चौहान के निर्देषन में बेटी बचाओ चौराहे से तिलक नगर कस्तूरबा चौराहे तक मुख्य मार्ग के फुटपाथ पर जेटिंग मशीन से धुलाई कराई गई एवं सड़कों से धूल साफ कराई गई। इस दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचंद्र धौलपुरिया, जेड एच.ओ श्री विजय कुमार आदि उपस्थित रहे। इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय ठाकुर के निर्देशन एवं सेवा नगर रोड एवं वार्ड 32 मार्गों एवं डिवाइडरों की धूल को साफ किया गया। इसके साथ ही ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देशन में सचिन तेंदुलकर रोड वार्ड 30, एजी ऑफिस रोड, दीनदयाल नगर प्रवेश मार्ग सहित अन्य मार्ग से डिवाइडर, फुटपाथ पर एवं सड़क किनारे सफाई कराई गई एवं धुलाई कराई गई।

अपर आयुक्त ने की संपत्ति कर वसूली की समीक्षा

संपत्तिकर जमा न करने वालों का कटेगा पानी का कनेक्शन, नहीं उठाया जाएगा कचरा

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम द्वारा संपत्ति कर वसूली में तेजी लाने और वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बाल भवन स्थित एक्यूआई सेंटर में आयोजित संपत्ति कर वसूली की समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो भी संस्थान एवं व्यक्ति संपत्ति कर जमा नहीं कर रहा है, उसके मकान से कचरा न उठाया जाए और उसका पेयजल कनेक्शन भी काटा जाए। उन्होंने कहा कि इस बार हमें 300 करोड़ रुपये का संपत्ति कर वसूल करने का लक्ष्य हासिल करना है।

संपत्ति कर वसूली की समीक्षा बैठक में उपायुक्त श्री मुकेश बंसल, श्री सुनील चौहान, श्री उत्तम जखेनिया, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव, भवन अधिकारी, क्षेत्राधिकारी, संपत्ति कर आरआई व कर संग्रहक उपस्थित रहे।

बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने निर्देशित किया कि जो व्यक्ति संपत्ति कर जमा नहीं कर रहा है उसका संपत्तिकर जमा कराने में कर संग्रहक का भवन अधिकारी सहयोग करे, इसके साथ ही मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारी ऐसे मकानों से कचरा ना उठाएं तथा संबंधित उपयंत्री यह ध्यान रखें की ऐसे भावनो का पेयजल कनेक्शन भी काटा जाए। बैठक में उन्होंने जॉन वाइज समीक्षा की तथा प्रत्येक कर संग्रहक को लक्ष्य के अनुरूप संपत्ति कर वसूल करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में उन्होंने दो दिन का लक्ष्य तय किया और उसी के अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिए, बैठक में उन्होंने सभी को निर्देशित किया।

बिना अनुमति वाहन पर विज्ञापन करने पर कर्ल ऑन को 45 हजार का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में विज्ञापन संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा अवैध प्रचार-प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम की विज्ञापन शाखा ने बिना अनुमति वाहन पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के मामले में कर्ल ऑन पर 45 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। जुर्माना तत्काल जमा भी कराया गया। नोडल अधिकारी होर्डिंग श्री शैलेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशन में निरंतर बिना अनुमति विज्ञापन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम की विज्ञापन शाखा द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, वाहन क्रमांक यूपी-15॥ङ्ग3422 पर निगम की अनुमति के बिना विज्ञापन किया जा रहा था। इसे मध्यप्रदेश आउटडोर मीडिया नियम, 2017 के प्रावधानों के अंतर्गत अवैध विज्ञापन की श्रेणी में मानते हुए कार्रवाई की गई। उक्त वाहन पर विज्ञापन का क्षेत्रफल 150 वर्गफुट तथा विज्ञापन की न्यूनतम अवधि 30 दिवस निर्धारित करते हुए 10 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से कुल 45,000 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है। नगर निगम द्वारा संबंधित संस्था को निर्देशित कर जुर्माना राशि तत्काल निगम कोष में जमा कराई गई। नगर निगम का उद्देश्य शहर में विज्ञापन व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखना, बिना अनुमति लगाए जाने वाले विज्ञापनों पर रोक लगाना तथा निर्धारित नियमों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करना है। निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि विज्ञापन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वच्छ दिवाली '01 रुपये वाली' अभियान में आमजनों की अच्छी भागीदारी

11 दिन में दान स्वरूप भेंट की 10829 अनुपयोगी वस्तुएं

ग्वालियर, जीएनएस।
दीपावली के पर्व पर घरों से निकलने वाली अनुपयोगी वस्तुओं को कचरे में जाने से बचाने और उन्हें जरूरतमंद परिवारों के उपयोग में लाने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा 'स्वच्छ दिवाली 01 रुपये वाली' विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 21 अक्टूबर से संचालित इस अनूठे अभियान में आम नागरिक बढ़-चढ़कर इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं और बड़ी संख्या में अपने घर की अनुपयोगी सामग्री दूसरों के उपयोग के लिए प्रदान कर रहे हैं। शहर के नागरिकों ने 31 अक्टूबर 2026 तक 11 दिनों में अनुपयोगी समझी जाने वाली 10829 वस्तुओं को नगर निगम की गाड़ियों एवं कार्यालय में जमा कराया।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में संचालित इस अभियान के संबंध में अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने बताया कि दीपावली के दौरान घरों की साफ-सफाई में बड़ी संख्या में ऐसी वस्तुएं बाहर निकलती हैं, जिनका उपयोग थोड़ी मरम्मत या उचित रखरखाव के बाद दोबारा किया जा सकता है। अक्सर ये वस्तुएं कचरे में पहुंच जाती हैं, जिससे अपशिष्ट की मात्रा बढ़ती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल (3क्र) की अवधारणा को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शहर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विशेष संग्रहण वाहन संचालित किए जाएंगे, जो घरों से पुनः उपयोग योग्य सामग्री एकत्रित करेंगे। नागरिक अपने नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय में भी ऐसी वस्तुएं जमा करा सकते हैं। एकत्रित सामग्री को 3क्र सेंटर, फूलबाग में छंटाई एवं आवश्यक मरम्मत के बाद पुनः उपयोग के लिए तैयार किया जाएगा। दीपावली के पश्चात तैयार की गई वस्तुएं जरूरतमंद नागरिकों को 3 नवंबर 2026 के बाद मात्र 01 रुपये प्रति वस्तु की दर से उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के तहत एक व्यक्ति को अधिकतम पांच वस्तुएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था रखी गई है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इस पहल का लाभ ले सकें।





निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

खड़गे का जन-महाभियोग लोकतंत्र की चिंता या राजनीतिक दबाव की नई रणनीति?

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसकी संवैधानिक स्वतंत्रता और संस्थागत गरिमा को बनाए रखना भी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन-महाभियोग जैसा अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर और असाधारण परिस्थिति का संकेत है। सवाल यह है कि क्या राजनीतिक असहमति को इस स्तर तक ले जाना उचित है और क्या इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास मजबूत होगा?कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग प्रस्ताव कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस की चुनाव आयुक्त से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, बल्कि उसकी लड़ाई निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। खडगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के निर्देश पर चुनाव आयोग काम कर रहा है तथा देश में मताधिकार की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। इन आरोपों के बीच उन्होंने विपक्ष की ओर से लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया। निश्चित रूप से चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान की निष्पक्षता पर सवाल उठना गंभीर विषय है, लेकिन इस विषय को समझने के लिए राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का परीक्षण करना आवश्यक है।भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता की राजनीतिक इच्छा और संवैधानिक अधिकारों की अभिव्यक्ति हैं। चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। इसलिए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। विपक्ष को यह अधिकार है कि वह चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, पक्षपात या मतदाता अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध आवाज उठाए। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ राजनीतिक मंचों से लगातार आरोप लगाने और जन-महाभियोग जैसी पहल करने से समस्या का समाधान निकल सकता है?महाभियोग की अवधारणा अपने आप में अत्यंत गंभीर है। यह किसी राजनीतिक असहमति का सामान्य हथियार नहीं, बल्कि संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया से जुड़ा विषय है। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया भी संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप है। इसके लिए संसद में विशेष बहुमत की संवैधानिक प्रक्रिया आवश्यक होती है। ऐसे में किसी व्यक्ति के खिलाफ जन-महाभियोग का राजनीतिक अभियान चलाना और वास्तविक संवैधानिक महाभियोग की प्रक्रिया अलग-अलग बातें हैं। जनता के बीच विरोध दर्ज कराना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसे संवैधानिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं माना जा सकता। यह भी समझना होगा कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

सफ़लता का सिद्धांत-कम बोलिए सोच समझ कर बोलिए ऐसे शब्द बोलिए कि सामने वाला इंप्रेस हो जाए

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरी दुनियाँ में बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है, क्योंकि यह आवाज 142.6 करोड़ जनसांख्यिकीयतंत्र की आवाज़ होती है इसलिए पूरी दुनियाँ के प्रमुख व्यक्तित्व गंभीरता से भारत के बयानों पर ध्यान देकर उसका उचित विवेकपूर्ण मंथन कर सकारात्मक समझ निकालते हैं।हालांकि अपवाद स्वरूप कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत की बातों को विवादों में भी ले जाने की कोशिश करते हैं। हम भारत माता के वंशज हैं। संस्कृति, सभ्यता हमारे लहू में समाई हुई है। हम दैनिक जीवन में भी अपनी राय बेबाकी से रखने में विश्वास रखते हैं क्योंकि हम लोकतंत्र की छत्रछाया में रहने के आदी हैं, परंतु हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो अपनी राय बनाने में गंभीर नहीं हैं बिना सोचे समझे बयान बाजी, राय देना सलाह देना, किसी भी बात का नकारात्मक मतलब निकालना, बिना बात के झगड़ा बढ़ाना, सहनशीलता संवेदनशीलता और सहिष्णुता की कमी के कारण जीवन में छोटी-छोटी बातों का परिणाम विभित्सक रूप धारण कर लेता है जिससे हमारी जान के लाले भी पड़ जाते हैं इसलिए हमें चाहिए कि किसी भी विषय वस्तु, बात,स्थिति पर अपनी राय बनाते,शब्दों का चयन करते द्य समय विवेकपूर्ण हाजर मंथन कर उस बात को रखना अपेक्षाकृत सटीक होगा, उस राय की सटीकता का विचार भी कुछ पलों में कर नपी तुली समझ का परिचय देना जरूरी है। चूंकि हम वैश्विक स्तरपर भारत की राय और भारत माता के सपूतों की राय प्रकट करने की बात कर रहे हैं, इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ सोच समझकर अपनी राय बनाए, वाणी बोले।

साथियों बात अगर हम अनेक मुद्दों पर मनीषियों की राय की करें तो दरअसल, हर मुद्दे को लेकर सबकी राय अलग अलग होती है, ऐसे में कई लोग सही तरह से राय व्यक्त न कर पाने के कारण भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं, तो कुछ लोग दिलचस्प तरीके से अपनी बात रखकर भीड़ से अलग पहचान बनाने में कामयाब हो जाते हैं,आमतौर पर हर चीज को लेकर सभी लोगों कि अपनी अपनी राय होती हैं, ऐसे में ज्यादातर लोग नुक्कड़ पर राजनीतिक चर्चा से लेकर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और घरेलू मामलों में अपनी राय देने से पीछे नहीं हटते हैं। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों की राय भीड़ से बिल्कुल अलग होती है. वहीं अगर हम चाहें तो कुछ इंप्रेसिव तरीकों से अपनी राय को सबसे अलग बना सकते हैं।

साथियों कई बार जल्दी जल्दी में राय देने के चक्कर में हम अपनी बात को सही तरीके से पेश नहीं कर पाते हैं, ऐसे में न सिर्फ हम सामने वाले को अपनी बात समझाने में असफल हो जाते हैं बल्कि सामने बैठे लोग हमारी बात का गलत मतलब भी निकाल सकते हैं, इसलिए हमें अपनी राय रखने से पहले शब्दों का चुनाव काफी सोच-समझ कर ही करना है। वैसे तो हर मुद्दे पर सभी का अलग राय होती है, वहीं राय सही या गलत भी हो सकती है, मगर राय रखते समय कई लोग अपनी बात को इतने खास अंदाज में बयां करते हैं कि हम चाहकर भी उनकी बात का विरोध नहीं कर पाते हैं। हालांकि, अगर हम चाहें तो राय देने के इस दिलचस्प तरीके को अपनी व्यक्तित्व में भी शामिल कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राय देने में शब्दों के चयन की करें तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी हमें शब्दों का चयन सोच समझ कर करना चाहिए, चाहे किसी से बात करने के क्रम में हो या किसी समारोह में या किसी वाद विवाद में। ऐसा माना जाता है कि हथियार या चोट के घाव तो भर जाते हैं पर शब्दों के घाव हमेशा ताजा रहते हैं। किसी मित्र की टांग खिंचाई में बड़ा मजा आता है पर ऐसा करने में हम इतने मशगूल हो जाते हैं कि कुछ अनचाहा कह जाते हैं। कुछ ऐसा ही क्रोध के समय भी होता है। इसीलिए क्रोध के समय अप्रिय बातें करने से बचना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी को सलाह दी जाए तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि हमारे शब्दों से उसके आत्मसम्मान को ठेस ना पहुंचे। यदि सही शब्दों का चयन किया जाए तो आदेश भी निवेदन लगेगा और बिना किसी के अहम को ठेस पहुंचे सब का काम हो जाएगा।

साथियों इसके साथ ही हमें अपने कहे गए शब्दों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। चाहे अनचाहे यदि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत हो तो हमें उन बातों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, ना कि तरह-तरह के बहाने बनाकर अपनी बातों को सिद्ध करना चाहिए। ऐसा करके हम अनावश्यक बहस से निजात पा सकेंगे और सामने वाले के मन में भी सम्मान के पात्र बनेंगे। वास्तव में हमारे शब्द हमारे हृदय की प्रेम की अभिव्यक्ति हैं। अब यह हमारे ऊपर है कि हम इस प्रेम को संसार में लुटाएं या प्रेम की जगह घृणा फैलाएं। प्रेम पूर्वक की गई आलोचना किसी को सही मार्ग पर ला सकती है या अप्रिय शब्दों से युक्त अच्छी सलाह उसे गलत रास्ते को चुनने की ओर प्रेरित कर सकती है। इसलिए हमें शब्दों के खजाने को निरंतर बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि इनका प्रयोग संसार में खुशियां बांटने में किया जा सके।अतएव सोच समझकर शब्दों का चयन करें।

साथियों बात अगर हम अपनी राय शाब्दिक अभिव्यक्ति के बाद तीसरे सबसे कीमती सोने पर सुहागा वाणी की करें तो, कबीर दास जी का यह दोहा और उसका अर्थ सबने सुना होगा, ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय,औरन को शीतल करे आपहुं शीतल होय,हम सब इसका अर्थ भी जानते हैं पर हम में से ऐसे कितने हैं जो इन पर अपनी मौजूदा जिंदगी में अमल करते हैं। यह सिर्फ एक दोहा नहीं है,एक फिलॉसफी है कि हम अपने शब्द का चुनाव सोच समझकर करें। आखिर शब्द ही हैं जो दोस्त को दुश्मन और दुश्मन को दोस्त बनाने की काबिलियत रखते हैं। द्रौपदी के कहे तीखे शब्द, जो उसने दुर्योधन को कहे, महाभारत के युद्ध का एक कारण बने। दूसरी तरफ दुर्योधन के शब्दों ने कर्ण को अपना मित्र बना लिया। यह दिखाता है कि किस प्रकार शब्द अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हम बिना सोचे-समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं, क्या यह कहना इतना आसान होता है, बिना यह जाने कि पूरी बात क्या है? साथियों एक प्रख्यात कहावत के कुछ इस तरह बोल हैं-शब्द तीर की तरह होते हैं, एक बार जुबान की कमान से निकल गए तो आप उन्हें दोबारा वापिस नहीं ले सकतें।हम बिना सोचे समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं- आखिर क्यों?क्योंकि हम समझने के लिए नहीं बल्कि प्रतिक्रिया देने के लिए सुनते हैं। हम मन ही मन धारणाएं बना लेते हैं और हमारी प्रतिक्रियाओं के साथ तैयार होते हैं। हम सामने वाले की बातों को समझकर नहीं सुनते। और इसकी कई वजहें हैं जिनके बारे में मैं इस उत्तर में नहीं समझा सकतीं।

पुरानी फिल्मों का लौटता क्रेज अत्यंत सुखद

आयुषी दवे

महज 115 वर्षों में भारतीय फिल्मों ने कई दौर देखे। टॉकीजों में हाउस फुल से लेकर ब्लैक में टिकट का भी मजेदार जमाना था। धीरे-धीरे तकनीक ने इस इण्डस्ट्री को नया ठौर दिया। एक समय थ्री डी फिल्मों का भी जबरदस्त क्रेज रहा। लेकिन लोगों, खासकर भारत की बात करें तो पुरानी फिल्में और पुराने गीत ही लोगों की जुबान पर हमेशा छाए रहे। चाहे सफर में लक्जरी कार में हों या ट्रेन में मोबाइल पर बज रहे गीत ज्यादातर पुराने और 60 से 90 दशक के बीच के ही बजते सुनाई देते हैं। तमाम बदलाव व चुनौतियों के बाद धमाकेदार शुरुआत के बावजूद नए दौर के गानों ने वो मुकाम कभी हासिल ही नहीं किया जो कि पुराने गानों का अब तक बना हुआ है। कमोवेश अब ऐसा ही ट्रेन्ड पुरानी फिल्मों को लेकर लौट रहा है। भले ही तकनीक ने बहुत बड़ा बदलाव किया और फिल्मों को एक से एक आइडिया दिए लेकिन बावजूद तमाम फैन्टासी, थ्रिल, मिक्सिंग, वीडियो एडिटिंग, एनीमेशन के पुरानी और सीधी सपाट शूटिंग से बनी फिल्मों का आकर्षण कमा जरूर लेकिन घटा नहीं।

इस बीच कम से चार-पांच पीढ़ियों का अंतर भी आया। 3 घंटे की जगह 2 घंटे की फिल्में बनने लगीं, ब्लैक एंड व्हाइट से कलर फिल्में बनीं और सिनेमाघरों के साथ-साथ मल्टीफ्लेक्स, ओटीटी तथा होम थियेटर का भी चलन शुरू हो गया। नई पीढ़ी का फिल्मों उसमें विशेषकर गीत-संगीत के प्रति बदलता नजरिया और जायका भी दिखा।पश्चिमीकरण के प्रभावों में आकरन केवल भारत बल्कि दुनिया भर में तमाम संगीत, संस्कृतियां इससे प्रभावित हुईं और मूल स्वरूप तक को खो दिया। जैज, रॉक एंड रोल, और कंट्री-वेस्टर्न ने धमाल मचाना शुरू किया। सुमधुर भारतीय संगीत परंपरा ने वो दौर भी देखा जब तेज और विदेशी वाद्य यंत्रों के साथ मिक्स संगीत कल्चर ने खूब हल्ला मचाया।

बीच-बीच मेंफूहड़पन का भी एक दौर भी चला। तब भी पुराने गानों की लोकप्रियता में कमीं नहीं आई। रेडियो सीलोन जो बाद में श्री ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन के नाम से प्रसारण करने लगा से प्रसारित बिनाका गीत माला ने तो धूम ही मचा दी।यह शो 1952 से 1988 तक रेडियो सीलोन पर हर बुधवार को प्रसारित हुआ। इसने भी भारतीय गीतों को बड़ी उंचाई दी। लोग इतने दीवाने थे कि सारा काम निपटा कागज, पेन ले गीतों की ग्रेडिंग के लिए बैठ जाते। हालांकि बाद में 1989 से 1994 तक इसे विविध भारती से प्रसारित किया लेकिन तब तक टेलीविजन का युग भारत में आ चुका था और इस कार्यक्रम की लोकप्रियता घटती गई। बावजूद इसके सरकारी नियंत्रण के शुरुआती चैनल दूरदर्शन पर भी भारतीय फिल्मों के गीतों के कई कार्यक्रम चित्रहार और अलग-अलग नामों से आए और खासे लोकप्रिय हुए। इनमें भी पुराने गीतों का जलवा रहा।

लेकिन 1970 के दौर से ही पश्चिमी संगीत का प्रभाव दिखने लगा। नई पीढ़ी धीरे-धीरे इसकी गिरफ्त में आने लगी। टेप रिकॉर्डर के आते ही फिर नए-पुराने गीतों की अघोषित प्रतिस्पर्धा भी काफी दिखी। शादी-विवाह में भी यह सब दिखा। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक से एक बार फिर न केवल पुराने गीत-संगीत वापस सुनाई देने लगे हैं बल्कि रिमिक्स के नाम पर उसका सम्मिश्रण अलग ही तरह की अनुभूति देने लगा।3 मई 1913 को भारतीय सिनेमा की पहली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' प्रदर्शित हुई जो गूंगी थी यानी बिना आवाज की फिल्म। इसका निर्माण भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहेब फाल्के ने किया था। तब से लेकर अब तक बॉलीवुड का सफर हमेशा ऊंचाइयों को ही छूता रहा। इस बीच दक्षिण, पंजाब, भोजपुरी सहित तमाम क्षेत्रीय भाषाओं में भी फिल्मों का भी जबरदस्त दौर आया जो अब भी जारी है। लेकिन पूरे भारत की बात करें तो फिल्म और संगीत में अब भी पुराने गीत-संगीत का धमक और जादू जस का तस है। लेकिन लोगों का पुरानी फिल्मों के प्रति बदलता नजरिया और आकर्षण भले ही नई तकनीक ओटीटी और इण्टरनेट के जरिए होम थियेटर के प्रभाव बढ़ा लेकिन यह सच है कि परन्तु पुरानी फिल्मों का क्रेज धीरे-धीरे अपनी रफ्तार पकड़ रहा है।

मदर इण्डिया, उपकार, पूरब-पश्चिम, गुड्डी, हाथी मेरे साथी, आनन्द, गाइड, दीवार, कटी पतंग, हरे रामा हरे कृष्णा, लैला-मजनू, मुगल-ए-आजम, शोले, बॉबी जैसी ढ़ेरों फिल्मों ने तबकी युवा और अबकी बूढ़ी हो चुकी पीढ़ी पर अमिट छाप छोड़ी। हां, नई तकनीक उसमें भी खासकर इण्टरनेट के प्रभाव से कुछ वर्षों तक ये फिर से बॉक्स में बंद जैसी स्थिति में जरूर थीं। लेकिन सुकून की बात है कि एक बार फिर पुरानी और संदेश देती लोकप्रिय फिल्मों का दौर लौट रहा है। इसके पीछे लोगों का भावनात्मक जुड़ाव और दमदार स्क्रिप्ट है। कहानियां सच के धरातल पर दिखती हैं। शायद यही वजह है कि पुरानी फिल्में थियेटर से लेकर मल्टीफ्लेक्स पर फिर अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। निश्चित रूप से भारतीय परिवेश, संस्कार, रीति-रिवाज वो चाहे देश के पूरब से पश्चिम हो या उत्तर से दक्षिण लोग वापस जुड़ रहे हैं और जानना-समझना चाहते हैं जो बेहद सुकून की बात है। नई पीढ़ी का पुरानी भारतीय फिल्मों के प्रति लगाव-झुकाव बेहद सुखद संदेश है।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर पुरानी छावनी जेल में श्रमदान, ऐतिहासिक धरोहर को राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग

शिवपुरी, जीएनएस।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शिवपुरी की ऐतिहासिक पुरानी छावनी जेल को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हुए इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया गया। नगर पालिका परिषद शिवपुरी के सहयोग से आयोजित इस अभियान में सामाजिक कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुरानी छावनी जेल को %राष्ट्रीय तीर्थ क्रमांक-01% के रूप में विकसित करने की दिशा में जनभागीदारी सुनिश्चित करना तथा शिवपुरी की ऐतिहासिक विरासत को विश्व पटल पर प्रदर्शित करना है। सफाई अभियान में वरिष्ठ अधिवक्ता रूप किशोर वशिष्ठ (रूप दादा), महेंद्र सिंह सिकरवार राष्ट्रीय सलाहकार मानव अधिकार आयोग, रिटायर्ड कैप्टन चंद्रप्रकाश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन, जसमन सिंह मौर्य सहायक संपादक दैनिक श्रमसाधना समाचार शिवपुरी, अतर सिंह धानुका प्रांतीय सचिव भोपाल, अशोक कुमार कोरकू, आशा नीम पंचमहल केसरी जिला ब्यूरो चीफ, नरेंद्र मौर्य पत्रकार, कालीचरण जाटव सहित अन्य लोगों ने श्रमदान किया।

इस दौरान उपस्थित नागरिकों ने नगर पालिका परिषद शिवपुरी



द्वारा प्रारंभिक स्तर पर कराई गई सफाई व्यवस्था की सराहना की। साथ ही अपेक्षा व्यक्त की कि इस ऐतिहासिक स्थल पर भविष्य में भी नियमित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि इसकी गरिमा और ऐतिहासिक पहचान बनी रहे। पुरानी छावनी जेल केवल एक पुरानी इमारत नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्रता संग्राम के उन सेनानियों की स्मृतियों से जुड़ी ऐतिहासिक धरोहर है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। इस स्थल का संबंध अमर शहीद वीर तात्या टोपे की ऐतिहासिक स्मृतियों तथा मध्य भारत के प्रथम मुख्यमंत्री लीलाधर जोशी के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े संघर्षों की विरासत से भी जोड़ा जाता है।

उपलब्ध ऐतिहासिक अभिलेखों में वर्ष 1942 से 1943 के दौरान यहां स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े अनेक सेनानियों के निरुद्ध रहने का उल्लेख मिलता है। इनमें प्रमुख नाम इस प्रकार हैं श्री श्यामलाल पाण्डवीय, जगन्नाथ प्रसाद %मिलिंद%देवलाल सूद, रामचंद्र करकरे, डॉ. सदानंद सक्सेना, गोपीकृष्ण विनय वर्गीय, मुरलीधर धुले, रामसहाय वकील, कृष्णचंद वकील, गमचरनलाल, राजमल, दत्तात्रय श्रीधर दातार, मुहम्मद मसूद अहमद, शिवशंकर रावत, राधेलाल व्यास, मन्ना वकील, आयाचित वकील, गोखले कीट, हीरालाल बंसल आदि 100 से अधिक भारतीय नागरिकों को अंग्रेजी हुकूमत के दौरान सेनानियों के निरुद्ध रहने का उल्लेख मिलता है। इन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम और जेल में रहने की अवधि का उल्लेख उपलब्ध सूची में मिलता है। यह सूची इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व को समझने का महत्वपूर्ण आधार है। श्रमदान में शामिल नागरिकों ने कहा कि शिवपुरी की पुरानी छावनी जेल को केवल एक पुरानी जेल के रूप में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों को संजोने वाले ऐतिहासिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए नियमित साफ-सफाई, संरक्षण, ऐतिहासिक अभिलेखों का संकलन, सेनानियों के नामों की शिलापट्टिका तथा पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री के आगमन पर उन्हें रज़ा कमेटी ज्ञापन सौंपकर करेगी अंजुमन में फिजूलखर्ची करते मुशायरे पर रोक की मांग

जबलपुर, जीएनएस।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के दो नवम्बर को लोकतन्त्र बचाओ अराजकता हटाओ पदयात्रा में आगमन पर मुख्यमंत्री का अंजुमन इस्लामिया वक्फ मढ़ाताल में आगमन की सूचना पर रज़ा एक्शन कमेटी द्वारा उन्हें एक ज्ञापन सौंपा जायेगा जिसमें मांग की जायेगी कि अंजुमन इस्लामिया वक्फ एक ऐतिहासिक शैक्षणिक संस्था है जो शिक्षण कार्य करते डेढ़ सदी से गरीब बच्चों को दीनी तालीम व आधुनिक शिक्षा प्रदान करते हुए सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देते समाज में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है,अंजुमन कमेटी द्वारा अंजुमन इस्लामिया वक्फ मढ़ाताल जबलपुर के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर दिनांक 26 व 27 नवम्बर को अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के साथ साथ 27 नवम्बर को आल इंडिया मुशायरा करवाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री को संबोधित अपने ज्ञापन में रज़ा एक्शन कमेटी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि आल इंडिया मुशायरे के नाम पर अंजुमन के कोष से लाखों रुपयों से मुशायरा करवाना समाज के पैसों की बर्बादी और फिजूलखर्ची है, ज्ञापन में मांग की गई है कि मुशायरे में खर्च की जाने वाली बेजा राशि का सदुपयोग करते अंजुमन के मूल उद्देशों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिये इस बड़ी धनराशि का मनोरंजन के नाम पर एक दिन में लाखों रुपयो की बर्बादी न करते अंजुमन के शैक्षणिक कार्य में खर्च करते समाज के बेरोजगारी को दूर करने के पावन उद्देश्य की पूर्ति करते मुशायरे के नाम पर खर्च होने वाली राशी से अंजुमन में आई.टी.आई. या लॉ कॉलेज की स्थापना कर समाज के इस पैसे से समाज के शैक्षणिक उत्थान व सामाजिक कल्याण के कार्यों में लगाया जाना चाहिये जिससे समाज के जरूरतमंद लोगों और आने वाली पीढ़ी को लाभ मिल सके । रज़ा एक्शन कमेटी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि उनकी कमेटी का उद्देश्य किसी साहित्यिक कार्यकम या मुशायरे का विरोध करना नहीं है अपितु वक्फ़ अंजुमन इंतजामिया जैसी महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक शैक्षणिक संस्था की गरिमा को दृष्टिगत रखते करोड़ो रूपयों की वक्फ संपत्ति को समाज के हित के लिये वक्फ करने वाले दानदाता वाकिफ की मंशा अनुसार उसकी आमदनी का खर्च संसाधनों के उचित उपयोग में लगाते उसकी दीनी तालीम ,सामाजिक कार्यों और समाज को शिक्षित करने के पावन उद्देश्य की पूर्ति करना ही वास्तव में अंजुमन के स्थापना दिवस को सार्थक करता है न कि मुशायारा करवाने से वाकिफ की मंशा सार्थक होगी,रज़ा ऐक्शन कमेटी ने मुख्यमंत्री से अंजुमन के पैसों से मुशायरा न करवाने की अपील की है।

राजेश अग्रवाल के कर कमलों से संपन्न हुई 'हुंडई बेयोन कार' की ग्रेंड लांचिग

गुना, जीएनएस।

स्थानीय ए.बी.रोड स्थित रॉयल हुंडई शोरूम पर सभी आधुनिक फ़ीचर्स एवं नई साज सज्जा से लैस हुंडई की नई कार बेयोन का अनावरण कैट के प्रदेश सचिव , व्यापार एवं उद्योग महासंघ के ज़िलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ ।

सर्वप्रथम रॉयल हुंडई के जनरल मैनेजर गौरव श्रीवास्तव ,रोहित एवं कल्पना द्वारा मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया ।

रॉयल हुंडई शोरूम पर ÷ग्रैंड लॉन्चिंग÷ के अत्यंत गरिमामयी समारोह में महासंघ पदाधिकारियों



द्वारा हिन्दू परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलित किया गया । तत्पश्चात फीता काटकर नई कार का अनावरण करतल ध्वनि के बीच संपन्न हुआ । कार लांचिंग के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा केक काटकर सभी उपस्थित जनों एवं रॉयल हुंडई परिवार को नई कार लांचिंग की शुभकामनाएँ दी गई ।

तालियों की गड़गड़ाहट के साथ संपन्न हुए अनावरण समारोह के अवसर पर सेल्स मैनेजर साजिद खान द्वारा हुंडई बेयोन कार के अधिकतम आधुनिक फ़ीचर्स से लैस नये मॉडल की खूबियों के बारे में विस्तार से बताया गया कि इस आकर्षक और मध्यम बजट वाली कार में कई बड़ी खूबियों का समावेश कंपनी द्वारा किया गया है जो कि अब तक बहुत मंहगी गाड़ियों तक सीमित था । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महासंघ सचिव प्रधुम्न जैन , उपाध्यक्ष अनिल गर्ग संगठन मंत्रीगण मनीष भार्गव ,मानसिंह भदौरिया , सुरेश अरोरा उपस्थित रहे ।, साथ ही सोशल मीडिया प्रभारी सुशील नामदेव , राकेश जैन , शरद अग्रवाल एवं ब्रजराम यादव भी उपस्थित रहे , वहीं रॉयल हुंडई शोरूम पर कई गणमान्य ग्राहक एवं बैंक फ़ाइनेंस अधिकारी भी उपस्थित रहे ।

रानी दुर्गावती जयंती पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुना, जीएनएस।

वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती के अवसर पर वीरांगना रानी दुर्गावती फाउंडेशन द्वारा गुना में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनशैली, ष्टक्कक एवं प्राथमिक उपचार और रक्तदान के महत्व पर जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में सचिन सोनी जी, बी.डी. शर्मा जी, श्वेता अरोड़ा जी, आशीष मंगल जी, मनोज पवैया जी, रामवीर सिंह रघुवंशी जी एवं



फाउंडेशन के संरक्षक राजेश अग्रवाल जी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सचिन सोनी जी ने ष्टक्कक एवं प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया और आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने के लिए समय पर सहायता के महत्व को समझाया। श्वेता अरोड़ा जी ने स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा की। संरक्षक राजेश अग्रवाल जी ने फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और जनसेवा के ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की प्रेरणा दी।

फाउंडेशन के संस्थापक प्रशांत सिंह पवैया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी देना तथा रक्तदान के प्रति जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर फाउंडेशन की टीम से भूपेंद्र भदौरिया, अनुज पांडे, प्रद्युम्न पवैया, गुड्डू सेंगर, तरुण श्रीवास्तव, अश्वनी सिंह, पवन, दीपक बदौरिया, मुकेश माजी, साक्षी अग्रवाल एवं अर्पिता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

धूमधाम से संपन्न हुआ डॉ. शिवकरण पांडेय का बैकुंठ महोत्सव

(डॉ गोपाल चतुर्वेदी)

वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित सुखधाम आश्रम में श्रीमद्भागवत के प्रकांड विद्वान एवं निकुंज लीला प्रविष्ट डॉ. शिवकरण पांडेय का बैकुंठ महोत्सव श्रद्धा और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। जगद्गुरु द्वाराचार्य बाबा बलराम दास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस महोत्सव में संत-महात्माओं, विद्वानों और धर्माचार्यों ने डॉ. शिवकरण पांडेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में जगद्गुरु बाबा बलराम दास महाराज ने कहा कि डॉ. शिवकरण पांडेय श्रीमद्भागवत जगत की लब्धप्रतिष्ठ विभूति थे। उनके जैसे विद्वानों और धर्मनिष्ठ व्यक्तित्वों का युग मानो समाप्त होता जा रहा है। उनका जीवन धर्म, अध्यात्म और श्रीमद्भागवत की सेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण था। पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री एवं डॉ. चतुर नारायण पाराशर ने कहा कि डॉ. शिवकरण पांडेय श्रीधाम वृंदावन के भूषण थे। वे अत्यंत धर्मनिष्ठ और सिद्धांतनिष्ठ व्यक्ति थे। उनके विचार और आध्यात्मिक योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे।



प्रख्यात साहित्यकार एवं यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी तथा भागवताचार्य विपिन बापू ने कहा कि डॉ. शिवकरण पांडेय की स्मृतियां सदैव अजर-अमर रहेंगी। उनके जीवन दर्शन और आध्यात्मिक विचारों से आने वाली अनेक पीढ़ियां लाभान्वित होती रहेंगी। विचार गोष्ठी में हनुमत आराधन मंडल के संस्थापक अध्यक्ष एवं रामकथा प्रवक्ता अशोक व्यास रामायणी, आचार्य पीठाधीश्वर मारुति नंदन वागीश, युवराज श्रीधराचार्य, पूर्व प्राचार्य राम सुदर्शन मिश्रा, भागवताचार्य रामांश पाराशर, अनमोल कृष्ण शास्त्री, डॉ. ऋषि तिवारी, श्यामजी महाराज, आचार्य नमामि पांडेय तथा रासाचार्य रामशरण शर्मा सहित अनेक विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात भागवत मनीषी नेत्रपाल शास्त्री ने किया।

डॉ. शिवकरण पांडेय (गुरुजी) की पुण्य स्मृति में उनके परम कृपापात्र नेत्रपाल शास्त्री महाराज के श्रीमुख से चल रही श्रीमद्भागवत कथा का भी इस अवसर पर विश्राम हुआ। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भागवत के आध्यात्मिक संदेशों का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। बैकुंठ महोत्सव के अंतर्गत आयोजित भोजन प्रसाद कार्यक्रम में 1100 से अधिक संतों, विप्रों एवं ब्रजवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक नेत्रपाल शास्त्री महाराज ने सभी आगंतुकों का यथोचित स्वागत-सत्कार एवं सम्मान किया। साथ ही उन्हें दक्षिणा आदि भेंट कर सम्मानित किया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुए इस आयोजन में उपस्थित लोगों ने डॉ. शिवकरण पांडेय के जीवन और उनके आध्यात्मिक योगदान को भावपूर्ण स्मरण किया।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर, अब सरकारी सहायता, डीबीटी और आगामी बजट की प्राथमिकताओं पर उठे सवाल

गरीबी घटी तो क्या 80 करोड़ लोगों का मुफ्त राशन भी बंद होगा?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया (महाराष्ट्र)

विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ रिपोर्ट ने भारत की गरीबी में आई ऐतिहासिक गिरावट को वैश्विक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011-12 से 2023-24 के बीच भारत में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इस अवधि में अनुमानित 49.6 करोड़ लोग इस गरीबी श्रेणी से बाहर आए। वहीं, 3 डॉलर प्रतिदिन की अत्यधिक गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी 27.1 प्रतिशत से घटकर मात्र 2.6 प्रतिशत रह गई। यह उपलब्धि भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का महत्वपूर्ण संकेत है। लेकिन इसके साथ ही सवाल उठता है कि जब करोड़ों लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं तो लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों दिया जा रहा है? क्या अब सरकारी सहायता, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), पेंशन और दूसरी कल्याणकारी योजनाओं पर कैंची चलेगी? क्या गरीबी रेखा पार करने वाले लोग आयकर के दायरे में आएंगे?

गरीबी की परिभाषा समझना भी जरूरी

विश्व बैंक की गरीबी रेखा 2021 की क्रय शक्ति समता (पीपीपी) पर आधारित है। इसका अर्थ है कि अलग-अलग देशों में वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों के अंतर को ध्यान में रखकर गरीबी का आकलन किया जाता है। इसलिए 4.20 डॉलर को वर्तमान विनिमय दर से रुपये में बदलकर किसी व्यक्ति की वास्तविक दैनिक आमदनी मानना उचित नहीं होगा। गरीबी रेखा पार करने का अर्थ यह भी नहीं है कि संबंधित व्यक्ति संपन्न या मध्यमवर्गीय हो गया है। इसका मतलब केवल इतना है कि उसकी आर्थिक स्थिति निर्धारित न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मानक से ऊपर पहुंची है। बहुआयामी गरीबी के आंकड़े भी इस बदलाव को रेखांकित करते हैं। ऑक्सफोर्ड के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत की गरीबी दर 2005-06 में 53.8 प्रतिशत थी, जो 2019-21 में घटकर 16.4 प्रतिशत रह गई। विश्व बैंक के बहुआयामी माप के अनुसार 2022-23 में यह 15.5 प्रतिशत थी।

80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों?

सबसे बड़ा सवाल प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का है। इसका सीधा जवाब है कि अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत राशन की पात्रता अलग-अलग आधारों पर निर्धारित होती है। विश्व बैंक की गरीबी रेखा पार करने से किसी परिवार की राशन पात्रता स्वतः समाप्त नहीं होती। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक असुरक्षा है। बीमारी, बेरोजगारी, महंगाई, फसल खराब होने अथवा अचानक रोजगार छिनने से गरीबी रेखा पार कर चुका परिवार भी दोबारा आर्थिक संकट में पहुंच सकता है। ऐसे में मुफ्त राशन केवल भूख से बचाने का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक झटकों से सुरक्षा देने वाला सामाजिक सुरक्षा कवच भी है। इससे परिवारों की भोजन संबंधी बचत शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरी आवश्यकताओं पर खर्च हो सकती है।

क्या राशन, डीबीटी और पेंशन पर चलेगी कैंची?

विश्व बैंक की रिपोर्ट के आधार पर मुफ्त राशन, डीबीटी, पेंशन, छात्रवृत्ति या अन्य कल्याणकारी योजनाएं अपने आप समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए सरकार को अलग नीतिगत निर्णय और पात्रता नियमों में बदलाव करना होगा। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि विश्व बैंक ने खाद्य सब्सिडी और सामाजिक हस्तांतरण को गरीबी घटाने में योगदान देने वाले कारकों में शामिल किया है। इसलिए गरीबी में गिरावट को सरकारी सहायता की निरर्थकता का प्रमाण मानना सही नहीं होगा। हां, भविष्य में सरकार लाभार्थियों की सूची का सत्यापन, अपात्र लोगों को हटाने और योजनाओं को अधिक लक्षित बनाने जैसे प्रशासनिक सुधार कर सकती है। नकद सहायता और खाद्यान्न सहायता के बीच संतुलन पर भी विचार संभव है। लेकिन ये संभावित नीतिगत विकल्प हैं, रिपोर्ट से निकला कोई अनिवार्य आदेश नहीं।

क्या गरीबी से बाहर आए लोग अब आयकर देंगे?

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या 49.6 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर आने के बाद वे आयकर के दायरे में आएंगे? इसका उत्तर है कि गरीबी रेखा और आयकर की सीमा का आपस में सीधा संबंध नहीं है। आयकर व्यक्ति की वास्तविक करयोग्य आय, लागू छूट, कटौतियों और संबंधित वित्त वर्ष के आयकर कानून के आधार पर निर्धारित होता है। इसलिए गरीबी रेखा पार करने मात्र से कोई व्यक्ति करदाता नहीं बन जाता। जिनकी वास्तविक करयोग्य आय निर्धारित सीमा से अधिक होगी, वे सामान्य आयकर नियमों के अनुसार कर के दायरे में आएंगे। बाकी लोगों पर केवल गरीबी से बाहर आने के कारण कोई नया कर नहीं लगेगा।

बजट 2027-28 की प्राथमिकताएं क्या होंगी?

आगामी 1 फरवरी 2027 को प्रस्तुत होने वाले संभावित केंद्रीय बजट 2027-28 पर भी इस रिपोर्ट का विश्लेषणात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। हालांकि अभी यह कहना उचित नहीं होगा कि गरीबी में कमी के आधार पर सरकार सामाजिक योजनाओं का बजट घटाएगी। बजटीय आवंटन का निर्धारण राजकोषीय स्थिति, महंगाई, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखकर होता है। संभव है कि सरकार अत्यधिक गरीब परिवारों के लिए लक्षित सहायता के साथ कौशल विकास, स्वरोजगार, ग्रामीण रोजगार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिक जोर दे। वास्तविक चुनौती सहायता समाप्त करना नहीं, बल्कि सहायता को आत्मनिर्भरता से जोड़ना है।

गरीबी घटने के पीछे कौन से कारण रहे?

विश्व बैंक ने गरीबी में गिरावट के पीछे मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और सामाजिक हस्तांतरण को प्रमुख कारण बताया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच भारत में रोजगार करने वाले लोगों की संख्या लगभग 13.4 करोड़ बढ़ी। ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने परिवारों की आमदनी में योगदान दिया। खाद्य सब्सिडी और सामाजिक सहायता ने कमजोर परिवारों को आर्थिक सहारा दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जनधन खाते, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत तथा ग्रामीण सड़क और बिजली जैसी पहलों ने भी जीवन स्तर में सुधार का आधार तैयार किया। हालांकि इस उपलब्धि का पूरा श्रेय किसी एक योजना अथवा एक सरकार को देना उचित नहीं होगा। आर्थिक विकास, पूर्ववर्ती नीतियों, संरचनात्मक बदलावों और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों का संयुक्त योगदान इसमें शामिल है।

मातृभाषा में बोलने पर गर्व करें युवा, तभी बचेगी हमारी सांस्कृतिक विरासत

भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से बंधा देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं, साहित्य और भाषाई विविधता का अद्भुत संगम है। यहां की मिट्टी में विविधता के रंग हैं, लोकजीवन में परंपराओं की सुगंध है और भाषाओं में मानवीय संवेदनाओं की अनूठी अभिव्यक्ति है। भारत की पहचान उसकी सांस्कृतिक समृद्धि और भाषाई विविधता से भी होती है। देश में अलग-अलग क्षेत्रों की बोलियां, भाषाएं, लोकगीत, कहावतें और साहित्य हमारी सामूहिक विरासत के अमूल्य अंग हैं। लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश, वैश्वीकरण और पश्चिमी संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के बीच अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण का सवाल पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से संपर्क बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें अपनी मातृभाषा में बोलने पर गर्व होना चाहिए, क्योंकि भाषा केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कार और इतिहास की जीवंत धरोहर है।

भारत की भाषाई विविधता हमारी असली पहचान : भारत में संविधान की आठवीं अनुसूची के अंतर्गत 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा देश में सैकड़ों भाषाएं और हजारों बोलियां प्रचलित हैं। हर भाषा अपने साथ किसी क्षेत्र का इतिहास, लोकसंस्कृति, पारिवारिक परंपरा और जीवन दर्शन लेकर चलती है। हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, गुजराती, पंजाबी, कन्नड़, मलयालम, उड़िया, असमिया सहित अनेक भाषाओं ने भारतीय साहित्य को विश्वस्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। वहीं भीली, गोंडी, संथाली और अनेक जनजातीय भाषाएं स्थानीय समाज की सांस्कृतिक स्मृतियों और परंपराओं को जीवित रखती हैं। किसी भाषा का कमजोर होना केवल शब्दों का समाप्त होना नहीं, बल्कि उस भाषा में सुरक्षित पीढ़ियों का ज्ञान, लोककथाएं, पारंपरिक चिकित्सा, प्रकृति की समझ और सांस्कृतिक अनुभवों का भी धीरे-धीरे खो जाना है। इसलिए भाषाओं का संरक्षण भारत की सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखने जैसा है।

युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण : आज भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। शिक्षा, तकनीक, रोजगार और वैश्विक अवसरों के कारण युवाओं का संपर्क अनेक भाषाओं से बढ़ रहा है। अंग्रेजी सहित दूसरी अंतरराष्ट्रीय भाषाएं सीखना समय की आवश्यकता है और इसमें कोई बुराई नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब विदेशी भाषा सीखने के साथ अपनी मातृभाषा को कमतर समझने की मानसिकता विकसित होने लगती है। कुछ युवाओं में अपनी स्थानीय बोली या मातृभाषा में बात करने को पिछड़ेपन से जोड़ने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। यह सोच बदलनी होगी। अंग्रेजी या अन्य भाषाओं में दक्ष होना अच्छी बात है, लेकिन अपनी मातृभाषा से दूरी बनाना उचित नहीं। युवाओं को समझना होगा कि आधुनिकता और अपनी संस्कृति के बीच कोई विरोध नहीं है। व्यक्ति कई भाषाएं सीख सकता है और साथ ही अपनी मातृभाषा को भी सम्मानपूर्वक जीवित रख सकता है।

घर से शुरू हो मातृभाषा बचाने का अभियान : भाषा का सबसे पहला विद्यालय हमारा घर होता है। बच्चे अपनी मातृभाषा परिवार के सदस्यों से ही सीखते हैं। यदि घर में माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्य बच्चों से अपनी भाषा में संवाद करेंगे, तो अगली पीढ़ी तक उसका सहज हस्तांतरण होगा। आज आवश्यकता है कि हम अपने समाज, परिवार, मोहल्ले और क्षेत्र में मातृभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करें। बच्चों को स्थानीय लोकगीत, कहानियां, कहावतें और साहित्य पढ़ने-सुनने के अवसर दें। विद्यालयों में मातृभाषा के महत्व पर कार्यक्रम आयोजित हों तथा स्थानीय भाषाओं के लेखकों और साहित्यकारों को नई पीढ़ी से जोड़ा जाए। सामाजिक संस्थाएं भी भाषा संरक्षण के लिए अभियान चला सकती हैं। घर में अपनी भाषा बोलना किसी दूसरी भाषा का विरोध नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान के प्रति सम्मान है।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने भी किया था भाषाई संरक्षण का आह्वान : भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर देश के पूर्व उपराष्ट्रपति ने भी विभिन्न अवसरों पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए हैं। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वविद्यालयों से भारतीय भाषाओं में उन्नत अनुसंधान करने और वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली को समृद्ध बनाने की अपील की थी, ताकि इन भाषाओं का शिक्षा और ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में व्यापक उपयोग हो सके। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यिक ग्रंथों के अनुवाद बढ़ाने और तकनीकी प्रगति का लाभ उठाकर क्षेत्रीय साहित्य की समृद्ध विरासत को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया था। उनका विचार था कि वैश्वीकरण के व्यापक प्रभाव के बीच यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि युवा अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहें। भाषा व्यक्ति की पहचान और आत्मविश्वास को मजबूत करती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में बोलने पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और बच्चों को मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

शिक्षा और तकनीक में भी बढ़े भारतीय भाषाओं का उपयोग : भाषाओं को जीवित रखने के लिए केवल घरों में बातचीत पर्याप्त नहीं है। उन्हें शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन और रोजगार के क्षेत्रों में भी उपयोगी बनाना होगा। यदि कोई विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में विज्ञान, गणित, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और तकनीकी विषयों को समझ सके, तो ज्ञान प्राप्त करना उसके लिए अधिक सहज हो सकता है। इसके लिए उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकों, डिजिटल सामग्री, अनुवाद और तकनीकी शब्दकोशों की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को भारतीय भाषाओं में अनुसंधान तथा मौलिक लेखन को प्रोत्साहित करना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अनुवाद, वाणी पहचान और ऑनलाइन पुस्तकालयों जैसी तकनीकों से स्थानीय भाषाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के अवसर भी बढ़े हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इन साधनों का उपयोग भाषाओं के विकास के लिए किया जाए।

निजी निवेशक भी अब बना सकेंगे औद्योगिक पार्क

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए नई 'एमएसएमई औद्योगिक विकास कंपनी' का गठन होगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश के औद्योगिक एवं उद्यमिता क्षेत्र को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए एक नई ÷एमएसएमई औद्योगिक विकास कंपनी÷ रू स्थ-ढृष्ट का गठन करेगी। यह कंपनी सभी क्षेत्रों में समान रूप से अधोसंरचना, भूमि सहित उद्योग संबंधी आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम जिस प्रकार बड़े उद्योगों अर्थात 500 करोड़ से अधिक के निवेश के लिए कार्य कर रहा है, उसी तर्ज पर यह नई कंपनी पूरी तरह एमएसएमई क्षेत्र के प्रोत्साहन और विकास के लिए समर्पित होगी। यह राज्य शासन के पूर्ण स्वामित्व वाली शासकीय कंपनी होगी। मुख्यमंत्री ड़ॉ. यादव ने कहा कि निजी निवेशक भी अब औद्योगिक पार्क बना सकते हैं, सरकार 50 लाख रुपये प्रति हैक्टेयर की दर से उन्हें अनुदान उपलब्ध करायेगी। इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में 2 माह में एमएसएमई के लिए भूमि उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश को नई गति मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से सिंगल क्लिक द्वारा प्रदेश की 900 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 450 करोड़ रुपये से अधिक तथा 120 से अधिक स्टार्टअप्स को 47.80 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि अंतरित की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप विशेष रूप से उपस्थित थे।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 75 औद्योगिक भूखंडों के लिए आशय-पत्र प्रदान किए। इनसे लगभग 83 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है, जिससे 640 रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा उद्यमियों से निवेश, भविष्य की योजनाओं एवं औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार उनके नवाचारों और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

समाज के हर वर्ग को जोड़ा जा रहा है विकास की मुख्य धारा से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य की समृद्धि और खुशहाली का यह उत्सव तभी सार्थक हो सकता है, जब हमारी आर्थिक विकास दर सकारात्मक, मजबूत और समावेशी हो तथा समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्य धारा से जुड़ने का अवसर मिले। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2न्न की वृद्धि की घोषणा की है। हमारी सरकार ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के मंत्र के साथ हर क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में दूध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 30 और 31 अक्टूबर को सभी वृंदावन ग्रामों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें गिर सहित देशी नस्लों के दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन के आधार पर पशुपालकों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में पचास हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। हमारा उद्देश्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़े और कृषि, पशुपालन सहित सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और खुशहाली का नया वातावरण बना है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की कुशल नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर है अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की कुशल नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम संकट और आपूर्ति संबंधी चुनौतियों के बावजूद देश में पेट्रोलियम की उपलब्धता सुचारु बनी हुई है। उनके नेतृत्व में देश में तेजी से ऊर्जा क्षमता बढ़ रही है और हम आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। प्रदेश का भविष्य निवेश, उद्योग और नवाचार पर आधारित है। वर्ष 2025-26 में 220 हैक्टेयर भूमि पर 13 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए, वहीं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत हजारों लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की ओर से दीपावली गिफ्ट प्रोत्साहन राशि ÷ मंत्री श्री काश्यप: सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि आज एमएसएमई और स्टार्ट-अप को जो अनुदान और प्रोत्साहन राशि मिल रही है वह मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्य सरकार की ओर से उद्यमियों के लिए दीपावली गिफ्ट है। दीपावली से पहले किया गया आज का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव की संवेदनशील और सहयोगात्मक सोच के परिणाम स्वरुप ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विचार था कि उद्यमियों को भी दीपावली पर कुछ न कुछ मिलना ही चाहिए। इस कार्यक्रम से उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का हाथ हमेशा उद्यमियों के साथ है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि देश में मध्यप्रदेश एमएसएमई को प्रोत्साहन और स्टार्ट-अप को अनुदान देने में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्यमियों की तरफ से आभार भी व्यक्त किया।

5 हजार उद्योगों को दिए जाएंगे औद्योगिक भूखंड ÷ मंत्री श्री काश्यप

एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि उद्योग वर्ष के बाद से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के देश-विदेश के निवेशक सम्मेलन में मध्यप्रदेश की विशेषताओं को उद्धृत करने के बाद से आज प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में ही उद्यमियों को 1250 भूखंड उपलब्ध करवाए गए हैं और इस वित्तीय वर्ष में यह संख्या 3000 हो जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि 30 नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास 2028 तक कर लिया जाएगा और हम 5000 उद्योगों को भूखंड उपलब्ध कराएंगे। प्रदेश में तेजी से औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि हो रही है ।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एमएसएमई के उद्यमियों और स्टार्ट-अप संचालक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत भोपाल की श्रीमती समीक्षा गगरानी, श्रीमती हिना चवन, विदिशा के श्री आकाश दांगी और सीहोर के श्री संयम जैन को प्रतीक स्वरूप ऋण राशि के चैक प्रदान किए। इसी प्रकार मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप नीति और कार्यान्वयन योजना में श्री कनिष्क गुप्ता को सहायता राशि का केक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती मेघा चंदेकर और श्रीमती किरण सिंह व श्री हितेन्द्र शर्मा को टॉय क्लस्टर बुदनी में भूमि आवंटन के लिए आश्रय पत्र प्रदान किया। इसी प्रकार श्रीमती रश्मि रजक और श्री सौरभ सिंह को जेर निवाड़ी तथा श्रीमती अमृत स्वर्णकार को टिकरिया तखला जिला कटनी औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए आश्रय पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, सचिव एमएसएमई श्री जॉन किंग्सली तथा बड़ी संख्या में एमएसएमई के उद्यमियों और स्टार्ट-अप संचालक उपस्थित थे।

थाना आरोन पुलिस की हवाई फायर करने वाले आरोपी के खिलाफ कार्यवाही

धान की फसल में नुकसान को लेकर हुए विवाद में मारपीट कर हवाई फायर करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।

घटना का संक्षिप्त विवरणः- फरियादी हरीओम सिह तोमर निवासी ग्राम बड़कागांव ने थाना आरोन में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 28.10.2026 की शाम को उसकी हारवेस्टर मशीन ग्राम बराहना सेकरा मौजा में सुग्रीव आदिवासी के खेत में धान काटने के लिए गये थे, रास्ते में हमारी कम्पान मशीन राजपाल रावत निवासी बराहना के खेत से होकर के निकली थी, जिससे उनकी फसल में थोडा सा नुकसान हो गया था। इसी बात को लेकर राजपाल रावत, आशीष रावत आये और मुझे मां बहन की गालियां देने लगे। मैने गाली देने से मना किया तो उन्होने मेरी लात घूसों से मारपीट की तभी एक काली स्कार्पियो से ब्रिजेन्द्र रावत निवासी बाजना तथा श्याम सिंह रावत व करुआ रावत आये और इन्होने भी मेरे साथ मारपीट की तथा करुआ रावत तथा बिजेन्द्र रावत ने देशी कट्टों से हवाई फायर किया, जिससे हमारे जीवन को संकट पैदा हो गया। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना आरोन में आरोपियों के खिलाफ अप0क्र0-75/26 धारा 115(2),296(ए),351(2), 3(5),125 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त मामला संज्ञान में आने पर प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री जयराज कुबेर(रापुसे) के द्वारा थाना आरोन पुलिस की टीम को उक्त प्रकरण में वांछित आरोपियों को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में एसडीओपी घाटीगांव श्री शैलेन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आरोन उनि0 बलवीर मावई के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में वांछित आरोपियों को पकड़ने हेतु लगाया गया।दौराने विवेचना आज दिनांक 02.11.2026 को थाना आरोन पुलिस टीम को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण में फरार मुख्य आरोपी ब्रिजेन्द्र रावत करई तिराहे पर खड़ा है। उक्त सूचना पर से पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो मुखबिर के बताये हुलिये का एक व्यक्ति करई तिराहे पर खड़ा मिला, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम ब्रिजेन्द्र रावत पुत्र चिन्टूराम रावत उम्र 40 साल निवासी ग्राम गाजना थाना बेलगढा जिला ग्वालियर का होना बताया। पकड़े गये आरोपी से उक्त प्रकरण के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर अपराध कारित करना स्वीकार किया। पुलिस द्वारा आरोपी की निशादेही पर उसके घर के पीछे गौंडा से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा एवं एक जिन्दा राउण्ड विधिवत जप्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को थाना आरोन के अपराध सदर में गिरफ्तार कर अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

जप्त हथियारः- घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा एवं एक जिन्दा राउण्ड।

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी आरोन बलवीर सिंह मावई, प्रआर सतीश परिहार, आर. लोकेन्द्र जाट, आर. रूपेन्द्र शर्मा, आर धर्मेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

लहार में बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों पर जागरूकता शिविर आयोजित

लहार, जीएनएस।

पीएम श्री शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2, लहार में %बचपन सुरक्षित अभियान% के तहत बच्चों की सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों को लेकर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री अभिषेक सक्सेना रहे।



?शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। संस्था प्रधान श्री प्रशांत त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

?संबोधन के दौरान न्यायाधीश श्री अभिषेक सक्सेना ने छात्र-छात्राओं को सरल शब्दों में पॉक्सो (ढ्ढह्लष्टस्ह्र) एक्ट के प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने बच्चों को %गुड टच% और %बैड टच% का अंतर समझाते हुए कहा कि किसी भी असहज स्थिति में चुप रहने के बजाय तुरंत अपने शिक्षकों या अभिभावकों को सूचित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि भयमुक्त और सुरक्षित वातावरण पाना प्रत्येक बच्चे का बुनियादी अधिकार है।

?डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, सोशल मीडिया पर सतर्कता और ऑनलाइन खतरों से बचाव के व्यावहारिक उपाय भी बताए।

?कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के सुरक्षित और सशक्त भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।

दैनिक श्रमसाधना
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
www.shramsadhnanews.com

प्रदेश सरकार ने किसानों को पुरस्कार में दिए ट्रेक्टर, बुलट और स्कूटी

ग्वालियर में प्रदेश का स्थापना दिवस बना किसानों के लिये खुशियों का उत्सव

ग्वालियर, जीएनएस।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर ग्वालियर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह उस समय किसानों की खुशियों का उत्सव बन गया, जब कृषि क्लिज प्रतियोगिता के विजेता किसानों को राज्य शासन की ओर से ट्रेक्टर, बुलट मोटरसाइकिल और स्कूटी जैसे बड़े पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वाले किसानों के साथ-साथ समारोह में मौजूद नागरिकों ने भी प्रदेश सरकार की इस अनूठी पहल की मुक्त कंठ से सराहना की।

राज्य शासन द्वारा किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित कृषि क्लिज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले किसानों को ग्वालियर में मेला परिसर में आयोजित हुए स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने क्रमशः ट्रेक्टर, बुलट मोटरसाइकिल और स्कूटी की राशि प्रदान की। भितरवार विकासखंड के ग्राम खेड़ा निवासी युवा कृषक श्री कृष्णा रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने उन्हें ट्रेक्टर के लिए 7 लाख 26 हजार रुपए का प्रतीकात्मक चैक और ट्रेक्टर की चाबी सौंपी। भितरवार विकासखंड के ग्राम बेरनी निवासी श्री रामबरन सिंह परिहार द्वितीय स्थान पर रहे।



उन्हें बुलट मोटरसाइकिल के लिए 1 लाख 68 हजार रुपए का प्रतीकात्मक चैक और मोटरसाइकिल की चाबी प्रदान की गई। भितरवार विकासखंड के ही ग्राम सोताखिरिया निवासी श्री कुबेर सिंह बघेल को तृतीय पुरस्कार के रूप में स्कूटी के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि और स्कूटी की चाबी दी गई।

किसान बोले सोचा नहीं था, इतना बड़ा पुरस्कार मिलेगा

ट्रेक्टर पाकर भावविभोर युवा किसान श्री कृष्णा रावत ने कहा मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इस प्रतियोगिता में मुझे 7 लाख 26 हजार रुपए का ट्रेक्टर मिलेगा। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभारी हूँ। इससे केवल मुझे ही नहीं, ग्वालियर जिले सहित पूरे प्रदेश के किसानों को प्रोत्साहन मिला है।

कृषक श्री रामबरन सिंह परिहार ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रेरित करती हैं और यह सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की सजीव मिसाल हैं। स्कूटी प्राप्त करने वाले श्री कुबेर सिंह बघेल ने कहा इस स्कूटी से हम खेती-किसानी के काम भी करेंगे और मेरा बेटा इस पर बैठकर पढ़ने भी जाएगा। उनके ये शब्द इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार की पहल का लाभ किसान के साथ उसके पूरे परिवार तक पहुँच रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार किसानों को खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व जैसे आयोजन अन्नदाताओं के सम्मान के साथ-साथ उन्हें नई तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों और आधुनिक जानकारी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। ऐसी पहलों से किसानों में आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में अपनी भूमिका को और मजबूती से निभाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

इंटरनेशनल यूथ वेलफेयर फाउंडेशन ने आयोजित किया 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन, सैकड़ों युवाओं ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

आगरा, जीएनएस।

इंटरनेशनल यूथ वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आज एकलव्य स्टेडियम, आगरा में 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के सैकड़ों युवाओं एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में एकता, सामाजिक समरसता, स्वास्थ्य एवं खेल भावना को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ वॉकथॉन में हिस्सा लिया। आयोजन के समापन पर प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सचिव शुभम उपाध्याय सहित अर्पित कुमार, राहुल उपाध्याय, आलोक बंसल, दीपक रावत, सोमेश जादौन, राज त्यागी, विशाल गोस्वामी, दीपक बघेल तथा फाउंडेशन के अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

फाउंडेशन के कार्यकारी सदस्यों डॉ. सलोनी सिंह बघेल, प्रशांत सिंह, शुभम उपाध्याय, नसीम अहमद, डॉ.स्वेता भान, पल्लवी शुक्ला, राज त्यागी, सौरभ शर्मा एवं डॉ .सोनम दास ने संयुक्त रूप से कहा कि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना और उन्हें सामाजिक कार्यों एवं खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना फाउंडेशन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने बताया कि भविष्य में भी युवाओं के हित, स्वास्थ्य, एकता एवं सामाजिक जागरूकता को समर्पित ऐसे भव्य कार्यक्रम देश के विभिन्न शहरों में आयोजित किए जाते रहेंगे। फाउंडेशन का उद्देश्य युवाओं को एक सकारात्मक मंच प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।



देवास जिले के खातेगांव में अवैध शराब तस्करी रोकने गए टीआई दिलीप पुरी को शराब माफिया ने ट्रक से रौंदा, टीआई की मौके पर मौत देवास के अलावा इंदौर के कई थानों में पदस्थ रहे हैं।

सड़क पर गोबर बहाने पर नगर निगम की कार्रवाई

संबंधित व्यक्ति पर लगाया 500 का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में सड़क पर गोबर बहाकर गंदगी फैलाने वाले व्यक्ति के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय ठाकुर द्वारा जोन क्रमांक 7 के वार्ड क्रमांक 3 अंतर्गत सरस्वती कोटेश्वर चौराहे पर निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को सड़क पर गोबर बहाते हुए पाया गया। इस पर संबंधित व्यक्ति के घर पहुंचकर ?500 का चालान किया गया तथा भविष्य में इस प्रकार सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की हिदायत दी गई।

नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोबर, कचरा अथवा अन्य अपशिष्ट सामग्री न डालें तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करें।

लाइट एण्ड साउण्ड शो का समय बदला

ग्वालियर। ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग पर राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा आयोजित ध्वनि एवं प्रकाश (लाइट एण्ड साउण्ड शो) के समय में शीत ऋतु को ध्यान में रखकर बदलाव किया गया है। एक नवम्बर से नए समय के अनुसार लाइट एण्ड साउण्ड शो का आयोजन होगा। राज्य पर्यटन विकास निगम की क्षेत्रीय प्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार किले पर हिंदी में लाइट एण्ड साउण्ड शो का समय अब सायंकाल 6.30 बजे से सायंकाल 7.05 बजे तक रहेगा। इसी तरह अंग्रेजी शो का समय सायंकाल 7.20 से 7.55 बजे तक कर दिया गया है।

वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में शामिल हुए दतिया विधायक घनश्याम सिंह

दतिया, जीएनएस।

दिल्ली के रामलीला मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए आयोजित वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में दतिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक घनश्याम सिंह ने दतिया जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ भाग लिया।

इस दौरान महारैली में शामिल होकर विधायक श्री सिंह ने कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय गृहराज्य मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, छत्तीसगढ़



के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएन सिंहदेव, मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव,पूर्व मंत्री अजय सिंह राहुल, पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम,पूर्व ऊर्जा मंत्री प्रियव्रत सिंह, सांसद अशोक सिंह, विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा आदि से समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। दतिया विधायक श्री घनश्याम सिंह के नेतृत्व में सेवड़ा एवं दतिया से 1 नवंबर 2026 को रामलीला मैदान,दिल्ली में आयोजित ऐतिहासिक ÷वोट बचाओ-देश बचाओ÷ महारैली में शामिल होकर लोकतंत्र, संविधान एवं निष्पक्ष चुनाव की रक्षा के संकल्प के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की महारैली में केंद्र सरकार एवं चुनाव आयोग के विरुद्ध जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।यह लड़ाई केवल वोट की नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और जनता के अधिकारों को बचाने की लड़ाई है। प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, जिला अनुशासन समिति सदस्य एन.डी. प्रजापति, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष केपी यादव, जिला संगठन मंत्री नरेंद्र गुर्जर,सेवड़ा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देशराज कुशवाहा, शहर अध्यक्ष बादशाह खान, थरेट ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष जाटव, कमल किशोर शर्मा, नवनीत महंत,धीरज गन्धी, मण्डलम अध्यक्ष सेवड़ा एडवोकेट राजकुमार श्रीवास्तव, अरुण छोटे महते, कसेरुआ मण्डलम अध्यक्ष लम्बर उर्फ़ रघुराज सिंह परिहार, नहला मण्डलम अध्यक्ष विकाश शर्मा, भूरे यादव आदि।

नकली खाद पकडऩे का मामला: भण्डारण करने वालों को पुलिस और कृषि विभाग ने दिया अभयदान

छतरपुर, जीएनएस।

अभी तक नकली खाद के मामले में आधा दर्जन से अधिक एफआईआर हो चुकी हैं। और नकली खाद भी बरामद हो चुकी है लेकिन सबसे अधिक नकली खाद नारायणपुरा रोड स्थित अमर गार्डन में पकड़ी गई थी इस खाद का सुराग पुलिस को तब लगा जब मातगुवां में पुलिस ने पंचर होने पर पिकअप पकड़ी और उसमें 70 बोरी खाद बरामद करते हुए दो के विरूद्ध एफआईआर की, और उन्हीं दो से पूंछतांछ करने पर खुलासा हुआ कि छतरपुर के नारायणपुरा रोड में स्थित अमर गार्डन में भारी मात्रा में नकली खाद रखी हुई है। दूसरे दिन पुलिस वहां दलबल के साथ पहुंची और वहां तलाशी लेकर अवैध रूप से रखी हुई नकली खाद पकड़ी और सील करने की कार्यवाही की। लेकिन इसके बाद पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों ने क्या किया ? क्योंकि अभी तक दो के अलावा किसी पर भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। जबकि भण्डारण में भी मैरिज गार्डन संचालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया जाना चाहिए था लेकिन अभी तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। न ही कृषि विभाग के अधिकारियों ने मातगुवां थाने पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई, जबकि सटई रोड में खाद पकड़े जाने पर कृषि विभाग क अधिकारियों ने थाने पहुंचकर मकान मालिक और उसके पुत्र के विरूद्ध रिपोर्ट लिखाई जिसका खाद संग्रहित रखा था उसका नाम भी एफआईआर में शामिल किया गया लेकिन नारायणपुरा रोड के अमर गार्डन में खाद पकड़े जाने पर मैरिज गार्डन संचालक पर रिपोर्ट नहीं कराई गई केवल पिकअप लिये हुये जो लोग पकड़े गये उनके विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई। जबकि कई नाम संग्रहण के मामले में आ रहे थे लेकिन एक सप्ताह बीत रहा है और न ही पुलिस ने अपनी तरफ से मामले में नाम बढाए और न ही कृषि विभाग ने संग्रहण करने वालों पर एफआईआर दर्ज कराई। सूत्रों से जानकारी तो यह मिली है कि कृषि विभाग के दो कर्मचारी अमर मैरिज गार्डन में पुलिस के पहुंचने से पहले पहुंच गये थे और शायद वह खाद को गायब कराना चाहते थे लेकिन मौका हाथ नहीं लगा और पुलिस पहुंच गई। जिससे यह पूरा खुलासा तो हो गया लेकिन एफआईआर आज तक न होना कहीं न कहीं दाल में काला जरूर है। चर्चाएं तो यह भी हो रही हैं कि पुलिस और कृ षि विभाग के अधिकारियों ने भण्डारण पर इसीलिए मामला दर्ज नहीं कराया है क्योंकि इसमें बड़ा फीलगुड हो चुका है। अगर इन चर्चाओं में सच्चाई नहीं है तो पुलिस को भण्डारण करने वालों पर मामला दर्ज कराना चाहिए और कृषि विभाग के अधिकारियों को भी भण्डारण करने वालों पर मामला दर्ज कराना चाहिए। जबकि सटई मकान मालिक पिता पुत्र पर मामला दर्ज हुआ है। एफआईआर न कराकर कृषि विभाग के अधिकारी ईमानदार कलेक्टर मृणाल मीना की छवि खराब करने में लगे हैं। जबकि कलेक्टर के कारण ही अभी तक 6 एफआईआर नकली खाद की हो चुकी हैं। उनके संज्ञान में आते ही तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाती है। यह मामला भी कलेक्टर के संज्ञान में है लेकिन कृषि विभाग के अधिकारी ऐसे मामलों में कलेक्टर को भी गुमराह कर रहे हैं।

इनका कहना है

अमर मैरिज गार्डन में खाद का भण्डारण मिलने के मामले में पुलिस को ही एफआईआर कराना है क्योंकि पुलिस वहां पहले पहुंच गई थी। जबकि सटई रोड में पहले कृषि विभाग के अधिकारी पहुंचे थे इसलिए वहां कृषि विभाग ने मकान मालिक व उसके पुद्ध के विरूद्ध मामला दर्ज कराया था।

डॉ अनिल मिश्रा,
उपसंचालक कृषि एवं

राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ समाज से मुंबई विराट कायस्थ महासम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का किया आह्वान

38 जिलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संगठन विस्तार, जरूरतमंद परिवारों की सहायता और कायस्थ विभूतियों की विरासत के संरक्षण पर हुई चर्चा

पटना, जीएनएस।

विश्व स्तरीय कायस्थ संगठन ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ समाज के लोगों से 20 दिसंबर को नवी मुंबई के खारघर में आयोजित होने वाले विराट कायस्थ महासम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन देश-विदेश के कायस्थ समाज को एकजुट करने, सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नई पहचान दिलाने तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक संकल्प का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बिहार प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में शामिल सभी 38 जिलों के प्रतिनिधियों से सम्मेलन की जानकारी समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने और अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

पटना के किदवईपुरी स्थित ठाकुर प्रसाद कम्युनिटी हॉल में आयोजित बैठक में बिहार के सभी 38 जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में कायस्थ समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उनके क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर समन्वित प्रयास करने पर बल दिया गया।

बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद कायस्थ एंथम प्रस्तुत किया गया तथा विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने अपने संबोधन में समाज की एकजुटता और सामूहिक विकास पर जोर देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती उसकी सामाजिक सक्रियता और जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशीलता से तय होती है। समाज के लोगों को एक साझा मंच पर लाकर उनकी प्रतिभा, क्षमता



और संसाधनों का उपयोग सामूहिक विकास के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता, युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने और कायस्थ समाज की उपलब्धियों को व्यापक पहचान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ समाज की घटती राजनीतिक हिस्सेदारी पर चिंता जताते हुए कहा कि जिस समाज का देश की आजादी और राष्ट्र के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, आज उसकी राजनीतिक भागीदारी लगातार कम होती जा रही है। यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि समाज को अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी और राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संगठित प्रयास करने होंगे। इसके लिए जीकेसी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी एक रोडमैप तैयार कर रही है, जिससे कायस्थ समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल की जा सके। जीकेसी की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने महिला सशक्तीकरण को सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करने तथा महिलाओं की दक्षता और स्थानीय संसाधनों के अनुरूप जिलावार योजनाएं तैयार करने की आवश्यकता जताई।

जीकेसी के ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने प्रदेश के सभी जिलों में संगठन को सक्रिय बनाने और सदस्यता अभियान को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने में जिला इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए नियमित संवाद, आपसी समन्वय और अधिक से अधिक कायस्थ परिवारों को संगठन से जोड़ना जरूरी है। बैठक में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिलावार रोजगार के अवसर विकसित करने तथा लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा गया।

युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी सामूहिक पहल करने पर चर्चा हुई। आर्थिक रूप से कमजोर कायस्थ परिवारों की पहचान कर उन्हें जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने तथा जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के विवाह एवं पुनर्विवाह में सहयोग देने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके लिए जिला स्तर पर ऐसे परिवारों की जानकारी जुटाने और समाज के सक्षम लोगों को सहयोग के लिए प्रेरित करने पर बल दिया गया। कायस्थ समाज की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए महापुरुषों की जयंती, पुण्यतिथि और उनके विशिष्ट कार्यों की वर्षगांठ पर जिलास्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने पर चर्चा हुई।

इसके साथ ही कायस्थ विभूतियों की प्रतिमाएं स्थापित कराने तथा प्रमुख सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों का नामकरण उनके नाम पर कराने के लिए संबंधित प्राधिकारों से संपर्क करने का प्रस्ताव रखा गया। सामाजिक सहयोग को व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए जीकेसी हेल्प डेस्क शुरू करने पर भी विचार किया गया। इसके माध्यम से समाज के लोगों को स्वास्थ्य परामर्श, कानूनी सहायता, बीमा, आयकर, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा व्यापार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने की योजना है।

70वीं राष्ट्रीय शालेय हैंडबॉल चैंपियनशिप में सरस्वती विद्यापीठ की अंडर-14 टीम ने जीता कांस्य पदक

शिवपुरी, जीएनएस।

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं विद्या भारती परिवार को गौरवान्वित किया है। उमरिया (मध्यप्रदेश) में आयोजित 70वीं राष्ट्रीय शालेय हैंडबॉल चैंपियनशिप में विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करते हुए विद्यालय की अंडर-14 हैंडबॉल टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक अर्जित किया। प्रतियोगिता में देशभर की 38 टीमों ने सहभागिता की। कड़े मुकाबलों के बीच सरस्वती विद्यापीठ की टीम ने नवोदय विद्यालय संगठन की टीम को पराजित कर यह उपलब्धि हासिल की।

राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर शिवपुरी लौटे खिलाड़ियों का सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर



पर फतेहपुर चौराहे से विद्यालय तक स्वागत यात्रा निकाली गई। विद्यार्थियों ने विजेता खिलाड़ियों को मालाएँ पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ निकली स्वागत यात्रा ने पूरे वातावरण को उत्साह, उल्लास एवं गौरव से भर दिया। स्वागत समारोह में विद्यालय के प्रबंधक श्री पवन शर्मा, सह प्रबंधक श्री जितेंद्र परसाई, प्राचार्य श्री लोकेंद्र सिंह मेवाड़ा, सेवानिवृत्त जिला खेल अधिकारी श्री महेंद्र सिंह तोमर, जिला खेल अधिकारी श्री के.के. खरे, श्री चंद्रशेखर वेमटे, हैंडबॉल के राष्ट्रीय रेफरी श्री यादवेंद्र सिंह चौधरी एवं शिवपुरी ब्लॉक खेल संयोजक श्री विवेक वर्धन शर्मा सहित खेल विभाग के अधिकारी, खेल शिक्षक, प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके कर्मठ एवं समर्पित प्रशिक्षक श्री शिवनाथ सिंह बैस (छोटू कोच साहब) को भी बधाई दी। अतिथियों ने विद्यालय में खेलों के प्रति अनुकूल वातावरण, बेहतर खेल प्रबंधन एवं खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए जा रहे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इसी क्रम में विद्या भारती के शिवपुरी विभाग खेल संयोजक श्री लोकेंद्र सिंह कौरव एवं विद्यालय के खेल आचार्य श्री रोशन पाठक सहित जिला शिक्षा विभाग एवं विद्या भारती के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का स्वागत एवं सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक श्री पवन शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करना संपूर्ण खेल समाज एवं विद्यालय परिवार के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन, समर्पण, खेल के प्रति निष्ठा एवं उत्कृष्ट टीम भावना का सुखद परिणाम है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सहयोग, अनुशासन एवं विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करने की भावना विकसित होती है।

रक्षक ही बन बैठे भक्षक!



जिस थाने में सुरक्षा की उम्मीद ले आई,
वहीं इंसानियत शर्मसार करने हो आई।
जिस वर्दी पर विश्वास जताया था उसने,
उसी %वर्दी% पर सवालों की बौछार आई।
यूं पति के अत्याचारों से बचने की आस,
कानून के दरवाजे पर न्याय की तलाश।
सोचा पुलिस उसे 卐सुरक्षा卐 प्रदान करेगी,
हाँ, आरोपों ने व्यवस्था की पोल खोली।
जिस हाथ में %कानून% की जिम्मेदारी थी,
क्या? उसमें ऐसी भी कोई लाचारी थी?
जिसे जनता का रक्षक बनकर रहना था,
वो कम्बख्त आरोपों के घेरे में खड़ा था।
वर्दी की गरिमा पे दाग न लगना चाहिए,
रक्षक को कभी भक्षक न बनना चाहिए।
थाने की चौखट पे जब विश्वास टूटता है,
आमजन का कानून से भरोसा उठता है।
(संदर्भ-गम्हरिया थाने में भी बहू-बेटी असुरक्षित)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

11 वर्षीय सृष्टि गौतम ने राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया गौरव

ग्वालियर। 11 वर्ष की आयु में सृष्टि गौतम



ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन से शानदार उपलब्धि हासिल की है। जम्मू में आयोजित नेशनल परफॉर्मिंग आर्ट्स चैंपियनशिप - छ×च 2026 में कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर उन्होंने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत और गुरु डॉ. मोनिका श्रीवास्तव का कुशल मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद रहा है। इतनी कम उम्र में सृष्टि की यह उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। सृष्टि की इस शानदार सफलता पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ!

गंगादास की बड़ी शाला में सात वर्ष से अखंड नाम-संकीर्तन, संतों ने छह लाख राम-नाम की कॉपियां समर्पित कीं

ग्वालियर, जीएनएस।

कलियुग में भगवन्नाम की महिमा को साकार करते हुए सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला, लक्ष्मीबाई कॉलोनी में अखंड नाम-संकीर्तन और राम-नाम लेखन का आध्यात्मिक अभियान निरंतर चल रहा है। श्री पूर्ण वैराठी पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवक दास जी महाराज के सानिध्य में कोरोना काल में प्रारंभ हुआ यह अभियान सात वर्ष की साधना पूर्ण कर चुका है। इसके अंतर्गत स्थापित 'श्री नाम नारायण भगवान बैंक' में अब तक भक्तों द्वारा लिखे गए 15 लाख राम-नाम संचित किए जा चुके हैं। अब संतों और भक्तों ने वर्ष 2027 तक एक करोड़ राम-नाम संचित करने का संकल्प लिया है। कार्तिक मास के पावन अवसर पर सिद्धपीठ में आयोजित आध्यात्मिक समागम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से संत-महात्मा और रामभक्त पहुंचे। स्वामी रामसेवक दास जी महाराज के सानिध्य में संतों ने लगभग छह लाख राम-नाम लिखी कॉपियां भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पित कीं। इस अवसर पर भगवन्नाम की महिमा और नाम-स्मरण की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई 'कलियुग केवल नाम अधारा, सुमिरि सुमिरि नर उतरहिं पारा' के भाव को केंद्र में रखकर संचालित इस अभियान का उद्देश्य जन-जन में राम-नाम लेखन और संकीर्तन के प्रति श्रद्धा जाग्रत करना है। संतों के अनुसार, भगवन्नाम का स्मरण मनुष्य को शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। सामूहिक नाम-संकीर्तन से भक्ति और सकारात्मकता का वातावरण निर्मित होता है।



दैनिक श्रमसाधना
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
www.shramsadhnanews.com

‘लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान’ के तहत आयोजित ‘प्रमुख नागरिक गोष्ठी’ में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल

भोपाल, जीएनएस।

कृष्ण राज कपूर ऑडिटोरियम रीवा में %लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान% अंतर्गत %प्रमुख नागरिक गोष्ठी% का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ?कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण व नमन करके की गई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के साथ सांसद श्री जनार्दन मिश्र, मनगवां विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

?संबोधन के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कांग्रेस और विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि देश में जनता के जनादेश का लगातार अपमान करने और अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी हार स्वीकार करने के बजाय निराधार सवाल उठाती है, जबकि जनता देश के विकास और मजबूत नेतृत्व के साथ है। ?श्री शुक्ल ने केंद्र और राज्य सरकार की



विकास योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि ?विंध्य क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाले बाणसागर बांध और सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार के लिए लंबे समय तक मौका मिलने के बावजूद पिछली सरकारों ने काम नहीं किया।

?ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन और रीवा में हवाई अड्डे के निर्माण जैसे ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुए हैं, जिससे आज हजारों लोग लाभ उठा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ?स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में रीवा में जिला अस्पताल और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के जरिए नागरिकों को उच्च स्तर की चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं। आज रीवा में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। ?उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही 2047 तक %विकसित भारत% और वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर जैसे बड़े और भारी-भरकम निवेश वाले प्लांट अब भारत में लग रहे हैं, जो %मेक इन इंडिया% की सबसे बड़ी सच्चाई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, न्यायपालिका, कार्यपालिका और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। ?उन्होंने जनता की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि जब-जब व्यवस्थापिका से जुड़े लोग अपने रास्ते से भटकते हैं, तब-तब देश की जनता चुनावों के माध्यम से उन्हें सबक सिखाती है। ?उन्होंने आपातकाल और इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि जनता जब परिवर्तन का मन बनाती है, तो बड़े-बड़े दिग्गजों को भी हार का सामना करना पड़ता है।

पोहरी विधानसभा स्तरीय लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत प्रमुख नागरिक गोष्ठी संपन्न

संविधान में सत्तर संशोधन करने वाली कांग्रेस लोगों को भ्रमित कर रही है: धैर्यवर्धन

पोहरी, जीएनएस।

स्थानीय कॉलेज में बुद्धिजीवी वर्ग की विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा मध्यप्रदेश के प्रवक्ता धैर्यवर्धन ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान हटाए गए वोटर्स में दो करोड़ अस्सी लाख लोग मर चुके थे, तीन करोड़ अनुपस्थित हैं, छह करोड़ तीस लाख मतदाता स्थाई तौर पर स्थानांतरित है एवं एक करोड़ मतदाता डुप्लीकेट अर्थात दो जगहों पर दर्ज था जिनको हटाया गया है । कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव ने की ।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रमुख नागरिक गोष्ठी में प्रदेश प्रवक्ता एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री धैर्यवर्धन शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जसवंत जाटव एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री श्री सुरेश धाकड़ , पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे सहित भाजपा नेता दिलीप मुद्गल आदि ने भी संबोधित किया।

गोष्ठी में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मर्यादाओं, सामाजिक जिम्मेदारी तथा राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने नागरिकों से लोकतंत्र की मजबूती, सामाजिक सौहार्द और जनहित के



मुद्दों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा ने अपने संबोधन में लोकतंत्र की मजबूती के लिए जागरूक नागरिकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विचारों की स्वतंत्रता, संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान, कानून के शासन और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक संवाद, राजनीतिक मर्यादा और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। नागरिकों को किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनजागरण आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन, विकास और सामाजिक समरसता के विषयों पर संवाद करें।

पूर्व विधायक एवं जिला संयोजक श्री नरेन्द बिरथरे ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना प्रत्येक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।

पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़ ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता का विश्वास, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और समाज में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक अभियान की सार्थकता तभी है, जब उसके माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को समझा जाए और उनके समाधान के लिए सार्थक प्रयास किए जाएं। उन्होंने नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा समाज और क्षेत्र के विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने, नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने और जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक चर्चा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को लोकतंत्र के प्रति उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और समाज में जिम्मेदार नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं का माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा गोष्ठी में भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा, पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़, पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे,दिलीप मुदगल, जिला कार्यालय प्रभारी विक्की मंगल, मंडल अध्यक्ष पोहरी आशुतोष जैमिनी , बैराड धीरज व्यास , झिरी विष्णु परिहार, चंदन धाकड,जनपद अध्यक्ष रामकली आदिवासी उपस्थित रहे ।

विष्णु मंदिर के पास छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवती से मारपीट करने बाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

सोशल मीडिया पर एक वीडियों प्रचारित किया गया जिसमें दिखाई दे रहा है कि विष्णु मंदिर के पास कुछ युवक दो युवतियों से मारपीट कर रहे है तथा उनके बाल पकड का झगडा कर रहे है । उक्त सूचना पर थाना फिजीकल पुलिस द्वारा पीडिता की रिपोर्ट पर से थाना फिजीकल पुलिस द्वारा 04 आरोपी युवकों से विरूद्ध अप.क्र.236/26 धारा 74, 75, 76, 79, 115(2), 296 (बी), 351(3), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीवद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदया यांगचैन डोलकर भूटिया द्वारा पीडितों के साथ सार्वजनिक रूप से छेडछाड का विरोध करने पर मारपीट करने बाले आरोपीगणों के विरूद्ध अपराध पंजीवद्ध कर कार्यवाही करने के निर्देश थाना प्रभारी फिजिकल निरी. अविनाश राठौड को दिये गये थे । उक्त निर्देश के पालन मे श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी, श्रीमान सी.एस.पी.महोदय शिवपुरी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में दिनांक 25.10.26 को थाना फिजीकल में 04 आरोपीगणों के विरूद्ध अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना के दौरान प्रकरण के एक आरोपी को दिनांक 26.10.2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है शेष आरोपी शहर छोडकर फरार हो गये थे उनमे से एक आरोपी बृजमोहन गुर्जर पुत्र सोवरन गुर्जर उम्र 32 साल निवासी बैयर हाऊस रोड हैलीपैड बाऊन्ड्री के सामने भोले बाबा के मंदिर के पास लुधावली थाना देहात को आज दिनांक 2.11.2026 को प्रकरण मे गिरफ्तार किया गया व न्यायालय पेश किया गया।

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर 16 नवम्बर को होगा अन्नकूट शहर के 25000 श्रद्धालु अन्नकूट प्रसादी पा सकेंगे

ग्वालियर। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के द्वारा विशाल अन्नकूट का आयोजन किया जाएगा, दीपावली पर्व पर श्री अचलेश्वर मंदिर पर सुन्दर विधुत व्यवस्था की जाएगी,इस बार मन्दिर पर सभी मन्दिर सदस्यों को आमंत्रण पत्र घर पर भेजा जायेगा अन्नकूट प्रसादी लगभग 25000 शहरवासी मन्दिर पर पा सकेंगे,आज श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के कार्यकारिणी सदस्यों की मिटीग आयोजित की गई,मिटीग में श्री महेश मुदगल ,न्यासी राजेश ऐरन अध्यक्ष , नवीन गर्ग उपाध्यक्ष राजकुमार माहेश्वरी सचिव, कृष्ण बिहारी गोयल कोषाध्यक्ष, रामकुमार गोयल मार्गदर्शक व्यवस्था सचिव प्रदीप बंसल अप व्यवस्थापक सचिव निशांत सिंघल सूचना सचिव कार्यकारीणी सदस्य, मोहन अग्रवाल सुरेंद्र अग्रवाल गौरव नागवानी,गिरीश शर्मा आदि।

!!.सफलता की नई इबारत - MPPSC टॉपर सुरभि श्रीवास्तव अब सीधी जिले के मझौली में दे रही CEO के रूप में सेवाएं.!!

मध्य प्रदेश के सतना जिले के एक छोटे से गांव लालापुर की रहने वाली सुरभि श्रीवास्तव ने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प से सफलता का वह मुकाम हासिल किया है, जो आज प्रदेश की हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

सीमित संसाधनों में रचा इतिहास

एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सुरभि के पिता अजीत श्रीवास्तव पेशे से वकील हैं और मां आशा श्रीवास्तव गांव में ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। सुरभि ने अपनी शुरुआती शिक्षा सतना से पूरी की, जहाँ से उन्होंने 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने BSC और फिर इंदौर की प्रतिष्ठित मेडिकैप यूनिवर्सिटी से स्ष्ट की डिग्री हासिल की।

जब कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया थम गई थी, तब सुरभि ने घर के सीमित संसाधनों के बीच अपनी तैयारी शुरू की। उन्होंने किसी महंगे कोचिंग संस्थान



का सहारा लेने के बजाय ऑनलाइन माध्यम, यूट्यूब और किताबों को अपना हथियार बनाया और दिन-रात एक कर दिया। उनकी इस मेहनत का परिणाम यह रहा कि उन्होंने वर्ष 2021 की MPPSC परीक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

प्रशासनिक सफर और कर्तव्य निष्ठा

सुरभि की पहली नियुक्ति रीवा जनपद पंचायत में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (ब्ष्ठह्र) के पद पर हुई। इसके बाद उन्होंने मऊगंज जिले की हनुमना जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) की जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। वर्तमान में वे सीधी जिले की मझौली जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। कर्तव्य के प्रति उनका समर्पण ऐसा है कि एक बार फिर स्ष्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद उन्होंने अपनी वर्तमान सेवाओं को ही जारी रखने का फैसला किया।

युवाओं के लिए संदेश

अपनी सफलता पर सुरभि श्रीवास्तव का कहना है कि असफलता केवल एक पड़ाव है, मंजिल नहीं। युवाओं और विशेषकर बेटियों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, ÷असफलता से घबराकर कभी भी अपने कदम पीछे नहीं खींचने चाहिए। यदि आपका संकल्प दृढ़ है और आप निरंतर मेहनत करने को तैयार हैं, तो सफलता एक दिन आपके कदम जरूर चूमेगी।÷

प्रदेश में एक नवम्बर तक 12 लाख 87 हजार से अधिक रजिस्ट्री पंजीयन पूरे

प्लॉट और मकान भू-स्वामी का, पक्की रजिस्ट्री का पैसा सरकार देगीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्लॉट और घर के साथ उसके पक्के राजस्व दस्तावेज होना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि ये दस्तावेज ही भू-स्वामी को उसका मालिकाना हक दिलाने के साथ उसे अपनी सम्पत्ति के क्रय-विक्रय का अधिकार भी दिलाते हैं। सरकार ने प्रदेश के ऐसे सभी भू-स्वामियों (जिनके पास उनके प्लॉट या मकान के पट्टे तो उपलब्ध हैं, परंतु पक्की रजिस्ट्री नहीं है), इन सभी को उनकी सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री कराकर निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही %मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना% के तहत सभी पात्रताधारियों को उनकी जमीन के पट्टे की पक्की रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। पक्की रजिस्ट्री के लिए लगने वाली स्टॉम्प शुल्क की राशि राज्य सरकार अपने खजाने से भरेगी। इससे प्लॉट या मकान भू-स्वामी का होगा, रजिस्ट्री भी भू-स्वामी की ही होगी, परंतु उन्हें इस पक्की रजिस्ट्री का पैसा नहीं देना होगा। यह राशि सरकार खुद वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में %मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना% की अब तक की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस महती योजना को एक बड़े अभियान के रूप में चलाकर जल्द से जल्द प्रदेश के सभी पात्र भू-स्वामियों के पट्टे की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा



राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपने हक की सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से भू-धारक की समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। पक्की रजिस्ट्री से भू-धारक अपनी सम्पत्ति पर ऋण आदि लेने के लिए पात्र हो जाएंगे। यह योजना भू-धारकों को आर्थिक रूप से भी मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि पक्की रजिस्ट्री कराकर देने वाला यह अभियान आगे भी लगातार चलेगा। अगले वर्ष हम इस अभियान को %युवा वर्ष% से भी जोड़ेंगे।

सभी मंत्री, सांसद, विधायक धनतेरस के दिन किसी गांव में जाकर वहां की शत प्रतिशत स्वामित्व की रजिस्ट्री अपने सामने पूरी करायेंगे बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि %मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना% के अमल में और भी तेजी लाएं। इस योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री, सांसद और विधायक आगामी 6 नवम्बर को (धनतेरस के दिन) अपने पैतृक ग्राम या अपनी पसंद के किसी भी गांव में जाकर उस गांव की मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत की रजिस्ट्री खुद सामने रहकर पूर्ण करायेंगे। सभी जिला कलेक्टर्स इस संबंध में अपने प्रभारी मंत्री एवं स्थानीय मंत्रीगणों सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ आवश्यक सहयोग और समन्वय कर अपने जिले में रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी होने पर उस गांव में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक लघु कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव राजस्व डॉ. ई. रमेश कुमार ने बताया कि एक नवम्बर 2026 की स्थिति में प्रदेश में 12 लाख 87 हजार 252 रजिस्ट्री (पंजीयन) पूरे कर लिए गए हैं। आगामी 15 नवम्बर तक प्रदेश में 20 लाख रजिस्ट्रियां पूरी कर लेने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जन-जागरुकता अभियान चलाया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री चंद्रशेखर वालिम्बे, आयुक्त भू-अभिलेख सुश्री निधि निवेदिता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जिले में प्रतिष्ठानों से लिए 44 खाद्य पदार्थों के नमूने

शिवपुरी, जीएनएस।

आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने और मिलावटखोरों पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत जिले में निरीक्षण एवं खाद्य पदार्थों के नमूना लेने की कार्रवाई लगातार जारी है।

उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि गत 08 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2026 की अवधि के दौरान जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के कुल 44 नमूने संकलित किए गए हैं। जिसमें कामथेन सिक्योरिटी सर्विसेज, शिवपुरी से खुला रिफाइंड सोयाबीन तेल, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, पोहा, तुअर दाल एवं मूंग दाल छिलका, खान केक पॉइंट, सिलारपुर करैरा से मिक्स केक एवं स्किम्ड मिल्क पाउडर, शर्मा मिष्ठान भंडार शिवपुरी से खुला मावा पेड़ा, मां गायत्री स्व-सहायता समूह सेसई से खुला दलिया, लूज कढ़ी एवं बने हुए चावल, श्रीराम ऑयल इंडस्ट्रीज शिवपुरी से पवन श्री सरसों तेल (200 मि.ली. एवं 500 मि.ली.), सिंघल स्वीट्स, कोर्ट रोड शिवपुरी से लूज जलेबी, बूंदी के लड्डू, लूज गुजिया एवं मावा-खोपरा बर्फी, शुभम नमकीन शिवपुरी से बारीक नमकीन सेव, लॉन्ग सेव नमकीन एवं हींग मिक्स नमकीन, ए.के. स्वीट्स एंड चाट पोहरी से श्री जी बेकिंग पाउडर, काला नमक एवं फूड कलर, मालम महिला मिल्क प्रोड्यूसर, करैरा से मिक्स्ड मिल्क के नमूने लिए गए।

इसी प्रकार चौबे स्वीट्स करैरा से अजंता बेकिंग पाउडर, खुला मावा, मावा बर्फी एवं फूड कलर, कमल कृष्ण मिष्ठान भंडार नरवर से चॉकलेट ब्राउन फूड कलर, ओरेंज रेड फूड कलर एवं लूज ओरेंज बर्फी, जैन मिष्ठान भंडार नरवर से बेसन के लड्डू, मावा बर्फी एवं पिंक मावा बर्फी, बालाजी स्वीट्स शिवपुरी से मलाई बर्फी, जय शिव स्वीट्स, शिवपुरी से लेमन येलो फूड कलर एवं बूंदी लड्डू, श्रीकृष्णा मिष्ठान भंडार पोहरी से लूज मावा बर्फी, होटल बसंत बिहार पोहरी से ओरेंज रेड फूड कलर, मावा बर्फी एवं मावा पेड़ा, गर्ग रेस्टोरेंट, पोहरी से लूज बर्फी एवं ममलेश्वर चाट भंडार, पोहरी से लूज मावा बर्फी एवं लूज नमकीन सेव के नमूने लिए गए। राज्य खाद्य प्रयोगशाला से विश्लेषण प्रतिवेदन प्राप्त होने के पश्चात अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

चलित खाद्य प्रयोगशाला

इस विशेष अभियान के दौरान चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ने भी जिले के करैरा, शिवपुरी, नरवर तथा बदरवास क्षेत्रों का सघन भ्रमण किया। चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा मौके पर ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के 100 नमूनों का परीक्षण किया गया। इसके माध्यम से ग्रामीणों को खाद्य पदार्थों में मिलावट के संबंध में जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही जिले के अंतर्गत 08 जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से आम नागरिकों को खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति जागरूक किया गया।

मुरैना – एसपी ने किया जौरा थाने का औचक निरीक्षण

मुरैना पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा ने थाना जौरा का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एसडीओपी जौरा मोहित यादव भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसपी ने हवालात, मालखाना, सीसीटीवी कैमरे, सर्विलांस रूम, अपराध रजिस्टर एवं ग्राम अपराध पुस्तिका सहित थाने की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।लंबित अपराधों के निराकरण पर सख्ती! वर्ष 2026 के अंतिम दो महीने शेष रहने को देखते हुए एसपी ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर गंभीर एवं संवेदनशील अपराधों में त्वरित और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही ई-साक्ष्य ऐप पर डिजिटल साक्ष्य अपलोड करने और शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करने पर जोर दिया। एसपी ने अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन, मादक पदार्थों के कारोबार और अवैध पटाखों के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुत्र का सही नाम (METIK KHATIK) है यही नाम उसके शैक्षणिक दस्तावेज में दर्ज है, जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम (NAKSH KHATIK) दर्ज हो गया है। (METIK KHATIK) और (NAKSH KHATIK) उक्त दोनों नाम मेरे एक ही पुत्र के है। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम (NAKSH KHATIK) के स्थान पर सही नाम (METIK KHATIK) पुत्र संतोष खटीक पढ़ा, लिखा व दर्ज किया जावें।

आवेदक: संतोष खटीक पुत्र पन्नालाल खटीक
निवासी : वार्ड नं. 19, कपलेश्वर कॉलोनी, उरवा
जिला ग्वालियर (म.प्र.)

राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए पटेल के आदर्श अपनाने की जरूरत : प्रो. राजपूत

भारत के एकीकरण में सरदार पटेल की भूमिका ऐतिहासिकः प्रो. झा

ग्वालियर, जीएनएस।

सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को समर्पित किया। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता से देश की रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके जीवन मूल्य आज भी प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। यह बात जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता की अध्यक्षता करते हुए कही।

जीवाजी विश्वविद्यालय की प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला तथा नोडल केंद्र भारतीय ज्ञान परंपरा के संयुक्त तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (एमएलबी) के राजनीति विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध अध्ययन विभाग के प्राध्यापक प्रो. नीरज कुमार झा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो.



हेमंत शर्मा एवं नोडल भारतीय ज्ञान परंपरा प्रो. शांतिदेव सिसोदिया उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता प्रो. नीरज कुमार झा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व दृढ़ संकल्प, राष्ट्रभक्ति और प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक था। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जनसामान्य को संगठित कर राष्ट्रीय चेतना को मजबूत किया। आजादी के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न रियासतों को एकजुट कर एक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की थी। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए पटेल ने अपनी राजनीतिक सूझबूझ, कूटनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति से भारत के एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन और कृतित्व नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और नेतृत्व की प्रेरणा देता है। आयोजन सचिव एवं विभागाध्यक्ष प्रो. शान्तिदेव सिसोदिया ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में राष्ट्रबोध, सामाजिक एकता और सामूहिक उत्तरदायित्व को विशेष महत्व दिया गया है। सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन इन मूल्यों का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों के आपसी विश्वास, सहयोग, सांस्कृतिक चेतना और साझा संकल्प से मजबूत होती है। युवाओं को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कुलगुरु प्रो. राजपूत ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ भी दिलाई। इसके बाद आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अध्ययनशाला के विद्यार्थी राज सिंह, सौरभ गुर्जर, हर्ष गुर्जर, अभिषेक दुबे और अंकित राठौर ने सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा राष्ट्रीय एकता में उनके योगदान पर विचार रखे। प्रतियोगिता के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्वेता सिंह एवं अंकित राठौर ने किया। इस अवसर पर वैभव शर्मा, वैशाली गुर्जर, राहुल कुमार, प्रिया सुमन, आकाश शर्मा आदि।

10 मिनट में 70 सवाल हल कर दिखाई गणितीय प्रतिभा, विजेता और उपविजेता बच्चों का हुआ सम्मान

अबेकस प्रतियोगिता में 12 बच्चे बने ओवरऑल चैंपियन

ग्वालियर जीएनएस

एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी की ओर से सोमवार को डी.डी. मॉल स्थित सिटी फूड कोर्ट में 14वीं सेंटर लेवल अबेकस एवं मेंटल मैथ प्रतियोगिता के विजेता और उपविजेता बच्चों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंदरगंज थाना प्रभारी दीप्ति तोमर और मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स के मानवसेवी सचिव दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे।

संस्था अध्यक्ष संजय कट्टल ने बताया कि प्रतियोगिता 26 अक्टूबर को सिटी सेंटर में अबेकस प्रशिक्षक अशोक जैन के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थी। इसमें पांच से 14 वर्ष तक के बच्चों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी गणितीय दक्षता और एकाग्रता का परिचय



देते हुए महज 10 मिनट में 70 सवाल हल किए। प्रतियोगिता में 90 प्रतिशत से अधिक सटीकता हासिल करने वाले 12 बच्चों को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया। इसके अलावा 11 बच्चों ने अपने आयु वर्ग में ग्रुप चैंपियन का खिताब हासिल किया। प्रथम स्थान के लिए 12 तथा द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सात बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

ओवरऑल चैंपियन बनने वाले बच्चों में अनिका शर्मा, अदवित शर्मा, वेदांश सोनी, सूर्यांश गुर्जर, आराध्या गुर्जर, हार्दिक शर्मा, जय प्रताप सिंह, कनिष्क वर्धन सिंह, सानवी बत्रा, अभिनव भूषण, संचित गुप्ता और प्रिंस अग्रवाल शामिल हैं। कार्यक्रम में धीरज गोयल, मुकेश गुप्ता और राजेश त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संदीपनी कन्या विद्यालय की 58 उत्कृष्ट छात्राओं का मेडल और प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मान

लक्ष्य के प्रति सजग रहकर मेहनत करें बेटियां

ग्वालियर जीएनएस

बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था की ओर से शासकीय संदीपनी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उत्कृष्ट छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय की 58 छात्राओं को मेडल पहनाकर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार रहे, जबकि अध्यक्षता संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेंद्र सिंह तोमर, शैलेंद्र सिंह सिकरवार, प्राचार्य मनोरमा नायक, डीसी तिवारी और प्रवीण पवार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत



अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर की। संस्था संयोजक डॉ. वंदना प्रेमी ने बताया कि संस्था अब तक हजारों बेटियों को उत्कृष्ट छात्रा सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसी क्रम में विद्यालय की 58 छात्राओं का चयन किया गया है।

मुख्य अतिथि नागेंद्र सिंह सिकरवार ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहना चाहिए। भविष्य की योजनाएं बनाकर उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करना जरूरी है। उन्होंने सम्मानित छात्राओं को बधाई देते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की।

योगेंद्र सिंह तोमर और शैलेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि बेटियां देश का भविष्य हैं। विद्यालय और शिक्षक उनके व्यक्तित्व को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में छात्राओं के परिजन भी मौजूद रहे। सम्मान पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे।

कार्यक्रम का संचालन अर्चना सगर ने किया तथा आभार प्राचार्य मनोरमा नायक ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सीमा शर्मा, रचना अग्रवाल, रेखा सोनी, अवंतिका राणा, कामनी चौहान, महेंद्र कुशवाह, एनएस बॉथम, रवि कपूर, भरत कौशल और शुभम चौहान सहित विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

छह गांवों के 18 पशुपालक गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार के लिए चयनित

मुरैना जीएनएस

मध्यप्रदेश शासन की गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत मुरैना जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के चयनित गांवों में आयोजित दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता में 18 पशुपालकों का चयन किया गया है। 27 से 31 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में प्रत्येक गांव से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तीन-तीन पशुपालकों को चुना गया है। विजेताओं को क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्रतियोगिता में साहीवाल, गिर, हरियाणा, मालवी, थारपारकर, केंकथा और देशी नस्ल की गायों को शामिल किया गया। प्रतिदिन छह लीटर या इससे अधिक दूध देने वाली गायें ही प्रतियोगिता के लिए पात्र थीं। सुमावली में दीवान शर्मा, मुरैना में राजकुमार शर्मा, दिमनी में गब्बर सिंह, अंबाह में सूरज सिंह तोमर, सबलगढ़ में कृष्णानंद शर्मा और जौरा में देशराज धाकड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से तीन पशुपालकों का चयन किया गया है। सुमावली में दीवान शर्मा की साहीवाल गाय ने तीन दिन में 19.78 लीटर दूध उत्पादन कर पहला स्थान हासिल किया। वहीं सबलगढ़ के मांगरोल में कृष्णानंद शर्मा की गिर नस्ल की गाय ने 17.15 लीटर दूध उत्पादन किया। दोनों गायों का औसत दैनिक उत्पादन क्रमशः 13.18 और 11.43 लीटर रहा।

उज्जैन में बनेगी भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित अत्याधुनिक शोध लाइब्रेरी

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित अत्याधुनिक शोध लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें दुर्लभ पांडुलिपियों और शोध पत्रों का संग्रह होगा। साथ ही श्रीकृष्ण के जीवन और विचारों पर आधारित वृत्तचित्र, नाटक और संगीत श्रृंखलाओं के लिए डिजिटल मंच भी संचालित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को श्रीकृष्ण पाथेय न्यास की कार्यसमिति की बैठक में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े प्रदेश के स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए। मंदिरों से जुड़ी भूमि का उपयोग कृषि और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कर मंदिर व्यवस्था बेहतर बनाई जाए। मंदिरों की आय से गौशालाओं और आसपास के गांवों का विकास भी किया जा सकता है। बैठक में सांदीपनि आश्रम के विकास सहित प्रदेश के 3200 से अधिक मंदिरों के रखरखाव और श्रीकृष्ण पाथेय योजना की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

झाड़ू वाला मोहल्ला और सत्यनारायण टेकरी सहित कई क्षेत्रों का किया औचक निरीक्षण,

सीवर ओवरफ्लो पर निगमायुक्त नाराज, दिवाली से पहले सभी स्ट्रीट लाइटें चालू करने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सोमवार सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर सफाई, पेयजल और नागरिक सुविधाओं की स्थिति देखी। उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक सात, रैन बसेरा, उरवाई गेट, वार्ड क्रमांक दो के झाड़ू वाला मोहल्ला, सत्यनारायण की टेकरी और घोसीपुरा रेलवे स्टेशन रोड का जायजा लिया।

रैन बसेरे में सफाई और

नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। क्षेत्रीय कार्यालय में संपत्तिकर वसूली की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि कर संग्रहक निर्धारित लक्ष्य के अनुसार वसूली करें। लक्ष्य पूरा नहीं करने वालों को नोटिस जारी किया जाए। झाड़ू वाला मोहल्ला में रहवासियों ने पेयजल समस्या बताई। इस पर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को पेयजल वसूली के लिए शिविर लगाने और समय पर जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सत्यनारायण टेकरी और घोसीपुरा रेलवे स्टेशन रोड पर सफाई व्यवस्था देखी। रहवासियों ने घोसीपुरा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल ऊंची करने, सौंदर्यीकरण और सड़क निर्माण की मांग रखी।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में एआई, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग के व्यावहारिक उपयोग सिखाए जाएंगे

एमएलबी कॉलेज में एआई तकनीक का प्रशिक्षण शुरू, 95 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

ग्वालियर जीएनएस।

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मूलभूत सिद्धांतों और अनुप्रयोगों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें करीब 95 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रवि शंकर पाठक ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के उद्देश्य और उपयोगिता की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्घाटन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक का उपयोग सावधानी और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। एआई का इस्तेमाल



केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित न रखकर समाज और जनकल्याण के लिए भी किया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण के पहले दिन मुख्य प्रशिक्षक हर्षल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को एआई की मूलभूत अवधारणाओं के साथ मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) की जानकारी दी। उन्होंने इन तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग समझाए और विद्यार्थियों से विभिन्न गतिविधियां भी कराई। इससे प्रतिभागियों को एआई की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई की आधारभूत जानकारी देने के साथ इसके व्यावहारिक उपयोग और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेंद्र चौरसिया ने किया तथा आभार डॉ. मल्लिका गौर ने व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।